जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः314 दिनांकः25-10-2024 शुक्रवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

शुक्रवार की सुबह ओडिशा और पश्चिम बंगाल के लिए हलचल पैदा करने वाली सुबह रहेगी. बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवात 'दाना' अपना ताना-बाना बुनने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अभी यह ओडिशा के तट के करीब है और 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर और...

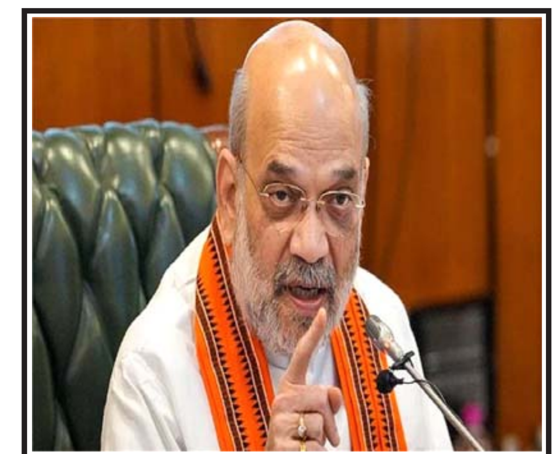

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर मीटिंग हुई। इस दौरान अमित शाह ने अजित पवार और एकनाथ शिंदे को साफ संदेश दिया

साइक्लोन दाना के कारण तेज हवा-बारिश का दौर शुरू...

सात राज्यों पर असर... 300 उड़ानें, 552 ट्रेनें रद्द

आडिशा-बंगाल के लिए कयामत की रात

पुरी/कोलकाता (ईएमएस)। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान 'दाना' गुरुवार-शुक्रवार की देर रात करीब 2 बजे ओडिशा के तट से टकराएगा। इसका असर पश्चिम बंगाल पर भी होगा। तटीय इलाकों (धामरा) में इस वक्त 70 किमी की रफ्तार से हवा चल रही है। भुवनेश्वर मौसम केंद्र के मुताबिक तूफान ओडिशा में भितरकनिका नेशनल पार्क और धामरा पोर्ट के पास लैंड करेगा। इसकी लैंडफॉल प्रोसेस 5 घंटे चलेगी और यह 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ओडिशा के उत्तरी हिस्से से गुजरेगा। दाना के असर से भद्रक, केंद्रपाड़ा सहित कुछ स्थानों पर 30 सेमी यानी 12 इंच (एक फुट) से ज्यादा बारिश हो सकती है। बाकी तटीय इलाकों में 20 सेमी तक बारिश के आसार है। ओडिशा के 14 जिलों में 10 लाख लोगों को शिफ्ट किया गया है।

शुक्रवार को चक्रवाती तूफान की तबाही देखने को मिल सकती है। इस दौरान हवा की रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटे से भी ज्यादा होने की संभावना है। देश में हर साल कोई न कोई चक्रवात आ रहा है। चक्रवाती तूफान के रौद्र रूप से लोगों के जान-माल को भारी नुकसान पहुंचता है। जीवन को फिर से पटरी पर लाने में अरबों रुपए खर्च हो रहे हैं। दाना से पहले रेमल, तितली, गाजा, बुलबुल व बिपरजॉय जैसे चक्रवाती तूफान भारी तबाही मचा चुके हैं।

300 फ्लाइट कैंसिल, 552 ट्रेनें रद्द

भुवनेश्वर और कोलकाता एयरपोर्ट पर गुरुवार शाम 5 बजे से 25 अक्टूबर सुबह 9 बजे तक 16 घंटे करीब 300 फ्लाइट्स कैंसिल रहेंगी। इधर साउथ ईस्ट रेलवे ने 150, ईस्ट कोस्ट रेलवे ने 198, ईस्टर्न रेलवे ने 190 और साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे ने 14 ट्रेनें रद्द कर दी हैं। कुल 552 ट्रेनें रद्द की गई हैं। पुरी के जगन्नाथ मंदिर परिसर में सभी अस्थायी टेंट हटा दिए गए हैं। एस्बेस्टस की छतों पर रेत की बोरियां रखी गई हैं। ताकि उड़ न जाएं। वहीं कोणार्क मंदिर को दो दिनों के लिए बंद कर दिया गया है।

एनडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीमें तैनात

ओडिशा ने नेशनल डिजास्टर रिलीफ फोर्स, ओडिशा डिजास्टर रिलीफ फोर्स और फायर ब्रिगेड की 288 टीमें तैनात की हैं। तूफान से प्रभावित 14 जिलों के स्कूल-कॉलेज 25 अक्टूबर तक बंद रहेंगे। इन जिलों में सभी टूरिज्म पार्क के साथ ओडिशा हाईकोर्ट को भी 25 अक्टूबर तक बंद कर दिया गया है। सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने हाई लेवल मीटिंग कर तूफान से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की है।

साइक्लोन 'दाना' का 7 राज्यों में असर

बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान 'दाना' का असर सात राज्यों ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, तमिलनाडु पर पड़ेगा। ओडिशा के 30 में से 14 तटीय जिलों में तूफान का व्यापक असर होने की आशंका है। मौसम विभाग ने 26 अक्टूबर तक अंगुल, नयागढ़, बालेश्वर, मयूरभंज, भद्रक, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, केंदुझार, जाजपुर, कटक और ढेंकनाल, खुर्दा, गंजम और पुरी जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका जताई है। पश्चिम बंगाल में पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, दक्षिण 24 परगना और उत्तर 24 परगना में बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है, जबकि कोलकाता, हावड़ा, हुगली और झारग्राम में भारी बारिश हो सकती है। आंध्र प्रदेश के रायलसीमा क्षेत्र में भारी बारिश के साथ 30 से 50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। झारखंड में पूर्व सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, देवघर, धनबाद, दुमका, गिरीडीह, गोड्डा, जामताड़ा में बारिश हो सकती है। छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने आज 8 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। अगले तीन दिन 25 से 27 अक्टूबर तक कहीं-कहीं बौछारें पड़ सकती हैं। 25 और 26 अक्टूबर को 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। बिहार में भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर, शेखपुरा, नालंदा, जहानाबाद, लखीसराय, नवादा, गया, कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज में इसका असर दिखाई देगा। कई जिलों में 20 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। मौसम विभाग ने दक्षिण भारत के तमिलनाडु और पूर्वी भारत के कुछ राज्यों में पांच दिन तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

हाई अलर्ट' पर भारतीय तटरक्षक

चक्रवात दाना के पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटों से टकराने के पूर्वानुमान के मद्देनजर भारतीय तटरक्षक हाई अलर्ट पर है और उसने समुद्र में किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए अपने जहाजों और विमानों को तैनात कर दिया है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि तटरक्षक बल स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और चक्रवात के प्रभाव से उत्पन्न किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारी सुनिश्चित करने को लेकर सक्रिय कदम उठाए गए हैं। बयान में कहा गया है कि तटरक्षक अपनी खास आपदा राहत टीम के साथ हाई अलर्ट पर है, जो सहायता, बचाव और राहत कार्य प्रदान करने के लिए तैयार हैं। मंत्रालय ने कहा, 'चक्रवात दाना के क्योंकि 24-25 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटों पर पहुंचने का अनुमान है, इसलिए तटरक्षक क्षेत्र (उत्तर-पूर्व) ने समुद्र में जान-माल की सुरक्षा के लिए कई एहतियाती कदम उठाए हैं।

पाकिस्तान को नहीं मिलेगा ब्रिक्स में प्रवेश

रूस (ईएमएस)। रूस में ब्रिक्स की बैठक चल रही है पाकिस्तान ने ब्रिक्स का सदस्य बनने के लिए आवेदन दे रखा है। लेकिन इस बार भी पाकिस्तान को निराशा का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान को ब्रिक्स की सदस्यता नहीं दी गई है।ब्रिक्स के सदस्य देशों के रूप में जिनको सदस्यता दी गई है। उसमें पाकिस्तान का नाम नहीं है।

भारत रूस चीन दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील पांच मुख्य देश हैं।अभी ब्रिक्स क्री सदस्य संख्या 36 है।पाकिस्तान पिछले 1 साल से सदस्यता पाने के लिए प्रयत्नशील है। लेकिन उसे असफलता ही मिल रही है।

चुनाव से पहले शरद पवार को सुप्रीम कोर्ट से झटका

अजित पवार के पास ही रहेगा घड़ी का निशान

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अजित पवार से कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में घड़ी चिह्न का इस्तेमाल कर सकती है। लेकिन उसे चुनावी बैनर और पोस्टर्स में यह लिखना होगा कि यह विवाद का विषय है और कोर्ट में विचाराधीन है। कोर्ट शरद गुट की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें कहा गया था कि अजित गुट अदालत का आदेश नहीं मान रहा है, इसलिए उसे विधानसभा चुनाव में घड़ी चिह्न के इस्तेमाल से रोका जाए। साथ ही अजित गुट को नए चिह्न के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया जाए।

जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और उज्जवल भुइयां की बेंच ने अजित पवार के वकील को निर्देश दिया कि अजित गुट नया हलफनामा भी दाखिल करे। साथ ही चेतावनी दी कि यदि आदेश का उल्लंघन किया गया तो वह खुद ही अवमानना का केस शुरू करेगी। मामले की अगली सुनवाई 6 नवंबर को होगी।

आदेश न मानकर अपने लिए शर्मनाक हालात न बनाएं

जस्टिस सूर्यकांत ने सिंह से कहा- एक बार जब हमने निर्देश जारी कर दिया, तो उसका पालन करना होगा। आप जवाब दाखिल करें और एक नया हलफनामा दें कि अतीत में भी आपने उल्लंघन नहीं किया है। और भविष्य में भी आप उल्लंघन नहीं करेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि दोनों पक्ष हमारे निर्देशों का पालन करेंगे। अपने लिए शर्मनाक स्थिति न बनाएं।

शिक्षा में निवेश के मामले में भारत ने कई पड़ोसी देशों को पछाड़ा

- भारत का शिक्षा पर सरकारी खर्च इसी अवधि में 13.5 से 17.2 फीसदी के बीच रहा है

मुंबई (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने हाल ही में भारत की शिक्षा बजट में आवंटन को लेकर सराहना की है। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 से 2024 के बीच भारत ने अपनी जीडीपी का 4.1 फीसदी से 4.6 फीसदी शिक्षा के लिए आवंटित किया है, जो शिक्षा 2030 फ्रेमवर्क फॉर एक्शन के निर्धारित अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। इस फ्रेमवर्क के तहत देशों को जीडीपी का 4-6 फीसदी शिक्षा के लिए खर्च करने की सिफारिश की गई है। यूनेस्को इंस्टीटयूट फॉर स्टैटिस्टिक्स की नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत का शिक्षा पर सरकारी खर्च इसी अवधि में 13.5 फीसदी से 17.2 फीसदी के बीच रहा है, जो एजुकेशन 2030 के लक्ष्य के अनुरूप है। यह लक्ष्य सरकारों को सार्वजनिक व्यय का 15-20 फीसदी शिक्षा में खर्च करने के लिए प्रोत्साहित करता है।रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का शिक्षा निवेश अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बना हुआ है और वह अपने पड़ोसी देशों की तुलना में अधिक निवेश कर रहा है। नेपाल और भूटान जैसे देशों के विपरीत, जहां जीडीपी का 4-6 फीसदी शिक्षा पर खर्च होता है, भारत का खर्च जीडीपी और सरकारी व्यय के प्रतिशत के मामले में अफगानिस्तान और पाकिस्तान से कहीं अधिक है। रिपोर्ट में इस बात पर रोशनी डाली गई है कि कुल खर्च के प्रतिशत के रूप में, विश्व औसत में गिरावट आ रही है। मध्य और दक्षिणी एशिया के देश 2010 के दशक की तुलना में अधिक निवेश कर रहे हैं। अन्य क्षेत्रों में गिरावट देखी गई है। साल 2022 में, मध्य और साउथ एशिया में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में शिक्षा पर भारत का खर्च केवल भूटान (7.5 प्रतिशत), कजाकिस्तान (7.2 प्रतिशत), मालदीव (4.7 प्रतिशत), ताजिकिस्तान (5.7 प्रतिशत) और उज्बेकिस्तान (5.2 प्रतिशत) से कम है। पूरे एशिया की तुलना में भारत का व्यय चीन और जापान जैसे देशों से अधिक है। वैश्विक स्तर पर, शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय के विश्व औसत में गिरावट देखी गई है, जो 2010 में 13.2 प्रतिशत से घटकर 2020 में 12.5 प्रतिशत हो गई है, जिसमें कोविड-19 महामारी के बाद उल्लेखनीय कमी आई है।

डीएमके के विवादित नक्शे पर भाजपा ने बोला हमला

स्टालिन बिना शर्त देशवासियों से मांगे माफीः राजा

चेन्नई (ईएमएस)। डीएमके के विवादित नक्शे पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा हमला बोला है। तमिलनाडु में भाजपा की इकाई ने डीएमके पर देश की संप्रभुता से विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह पार्टी की अलगाववादी मानसिकता को दर्शाता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एच. राजा ने कहा, डीएमके ने देश का अपमान किया है और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। भाजपा का आरोप है कि डीएमके का यह कदम उत्तर-दक्षिण विभाजन को बढ़ावा देने की कोशिश है। विवाद बढ़ने के बाद, डीएमके ने इसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स से हटा लिया है। वहीं डीएमके के प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने भाजपा के आरोपों पर कहा कि यह नक्शा डीएमके ने नहीं बनाया, बल्कि भारत सरकार द्वारा तैयार किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नक्शे का उद्देश्य राज्यों के जीडीपी में योगदान को दर्शाना था और भाजपा इस मुद्दे का राजनीतिकरण करके ध्यान भटकाना चाहती है। डीएमके ने भाजपा के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि यह उनके शासन की विफलताओं से जनता का ध्यान हटाने की कोशिश है।

क्या है मामला

तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की एनआरआई विंग द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए विवादित नक्शे ने एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। इस नक्शे में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और अक्साई चिन को भारत के हिस्से के रूप में नहीं दिखाया गया था। यह विवाद तब उभरा है जब डीएमके और भाजपा के बीच पहले से ही वैचारिक मतभेद चल रहे हैं। भाजपा ने डीएमके पर देश के दक्षिणी हिस्से को एक द्रविड़ राष्ट्र के रूप में विभाजित करने का आरोप लगाया, जबकि डीएमके भाजपा पर दक्षिण भारत के विकास में विफलता का आरोप लगा रही है। विवाद बढ़ने के बाद, डीएमके ने तुरंत सोशल मीडिया से नक्शा हटा लिया है। हालांकि, इस घटना ने तमिलनाडु की राजनीति में उथल-पुथल मचा दी है।

कश्मीर में सेना के वाहन पर आतंकी हमला, 3 जवान शहीद और एक नागरिक की मौत

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग के नागिन इलाके में एलओसी के पास 18 राष्ट्रीय राइफल्स के वाहन पर आतंकियों ने हमला किया। आतंकियों की गोलीबारी में 3 जवान शहीद हो गए और एक पोर्टर की मौत हो गई। हमले में सेना के 7 जवान भी घायल हुए थे। सभी घायलों को श्रीनगर के 92 बेस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जिनमें से 3 जवानों ने दम तोड़ दिया।

सेना के सूत्रों के मुताबिक, इस हमले में 3 से ज्यादा आतंकी शामिल हो सकते हैं। वहीं, सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया है और आतंकियों की तलाश शुरू कर दी है। इससे पहले आज सुबह ही दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के बटगुंड में आंतकवादियों ने एक और मजदूर पर गोलीबारी की थी, जिसमें वो घायल हुआ था। घायल शुभम कुमार यूपी का रहने वाला है। उसका अस्पताल में इलाज जारी है। जम्मू-कश्मीर में बीते एक हफ्ते में गैर कश्मीरियों पर हुआ यह तीसरा हमला है। इससे पहले 20 अक्टूबर को गांदरबल और 18 अक्टूबर को शोपियां में आतंकियों ने टारगेट किलिंग को अंजाम दिया था, जिसमें 7 लोगों की मौत हुई थी। लगातार हो रहे आतंकी हमलों को देखते हुए राजभवन में आज हाई लेवल मीटिंग भी हुई थी। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली है। यह संगठन गैर कश्मीरियों और सिखों को निशाना बना रहा है।

भाजपा को हराने महाराष्ट्र और झारखंड में प्रचार करने जाएगी केजरीवाल की टीम

नई दिल्ली (ईएमएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (ँव्झ) को दोतरफा झटका देने की तैयारी की है। केजरीवाल का मानना है कि अगर भाजपा महाराष्ट्र और झारखंड में हारती है, तब हरियाणा जीत से उत्साहित पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल भी गिर सकता है।

संजय सिंह ने कहा कि केजरीवाल अपनी पार्टी की ताकत का इस्तेमाल करके दोनों राज्यों में इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां भी गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने का मौका मिलेगा, केजरीवाल वहां उपस्थित रहने वाले है। राज्यसभा सांसद सिंह ने कहा, केजरीवाल ने पहले ही साफ कर दिया हैं जहां से प्रचार के लिए बुलाया जाएगा, वहां प्रचार के लिए अवश्य जाएंगे।

सूत्रों के अनुसार, केजरीवाल और आप के नेता महाराष्ट्र और झारखंड में इंडिया गठबंधन के लिए प्रचार करने वाले है। महाराष्ट्र में वे शिवसेना (उद्धव गुट), एनसीपी और कांग्रेस के प्रत्याशियों के लिए, जबकि झारखंड में जेएमएम, कांग्रेस और राजेडी गठबंधन के लिए प्रचार करने वाले है। हालांकि, आप इन दोनों राज्यों में चुनाव नहीं लड़ रही है, लेकिन उनकी योजना भाजपा को हराने की है।

खड़गे के अपमान से साबित हो गया कि कांग्रेस दलित विरोध, राहुल सिर्फ दिखावा करते : सरमा

रांची (ईएमएस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाकर कहा कि पार्टी के भीतर दलितों की स्थिति बहुत खराब है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं के बीच जो फर्क है, वह अब लोगों के सामने आ चुका है।

सीएम सरमा ने कहा, एक ओर राहुल गांधी दावा करते हैं कि कांग्रेस दलितों के साथ खड़ी है, लेकिन दूसरी ओर, वे अपने ही पार्टी के नेताओं का अपमान करते दिखाई देते हैं। कांग्रेस में दलितों और पिछड़ों को कोई सम्मान नहीं मिलता है। यह साफ है कि राहुल सिर्फ दिखावा करते हैं। सीएम सरमा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नामांकन के दौरान हुई घटनाओं का उल्लेख कर कहा कि इस घटना ने कांग्रेस के असली चेहरे को बेनकाब कर दिया है।

सीएम सरमा ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भी निशाना साधाकर कहा कि किसी भी आंदोलन के दौरान जेल जाने का कारण स्पष्ट करना चाहिए।

शरद पवार वाली राकांपा ने 45 नामों का ऐलान किया

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शरद पवार वाली राकांपा ने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में 45 नामों का ऐलान किया है। बारामती में अजित पवार बनाम युगेंद्र पावर के बीच मुकाबला होगा। युगेंद्र रिश्ते में अजित पवार के भतीजे लगते हैं।

इस्लामपुर सीट से जयंत पाटिल को टिकट मिला है। कराड उत्तर से बालासाहेब पाटिल, मुंब्रा कलवा से जितेंद्र अवध, कोरेगांव से शशिकांत शिंदे, जलगांव ग्रामीण से गुलाबराव देवकर, इंदापुर से हर्षवर्धन पाटिल, राहुरी से प्राजक्ता तनपुरे, अहमदपुर से विनायकराव पाटिल, सिंदखेडाराजा से राजेंद्र शिंगणे, वडगांव शेरी से बापूसाहेब पठारे और नागपुर पूर्व से दुनेश्वर पेठे को शरद पवार ने टिकट दिया है। अजित पवार ने कई बार इस बात के संकेत दिए थे कि वो विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेगे, लेकिन उनके समर्थकों ने उन्हें बारामती से ही चुनाव लड़ने से मना लिया है। अजित पवार ने बारामती से पिछले सात विधानसभा चुनाव जीते हैं।

शरद पवार की एनसीपी के विधानसभावार देखें उम्मीदवार

महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस ने 48 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। महाराष्ट्र चुनाव में उद्धव ठाकरे और शरद पवार की पार्टी के बाद कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इसमें 48 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है। वहीं झारखंड के भी 7 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण को कराड विधानसभा सीट से प्रत्याशी घोषित किया। वहीं एक अन्य पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत विलासराव देशमुख के दो बेटों को टिकट दिया है। इनमें बड़े बेटे अमित देशमुख को लातूर शहरी सीट से, जबकि छोटे बेटे धीरज विलासराव देशमुख को लातूर ग्रामीण सीट से उम्मीदवार बनाया है।

कांग्रेस ने साकोली से प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले को उम्मीदवार बनाया है। वहीं विधानसभा में नेता विपक्ष विजय वडेट्टीवार को ब्रम्हपुरी सीट से, जबकि बालासाहेब थोरात को संगमनेर सीट से टिकट दिया है। वहीं धारावी से वर्षा गायकवाड की बहन ज्योति गायकवाड को टिकट मिला है। वहीं तिवसा से यशोमति ठाकुर चुनाव लड़ेंगी।

कांग्रेस का शिवसेना यूबीटी और एनसीपी शरद पवार से अभी 85-85-85 सीटों पर गठबंधन हुआ है। शेष बची सीटों पर अभी फैसला नहीं हुआ है।

यहां देखिए झारखंड के कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची

झारखंड में कांग्रेस का झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) समेत सीपीआई जैसे दलों के साथ गठबंधन हुआ है। बाला साहेब थोरात के बेटे विजय थोरात को संगमनेर से उम्मीदवार बनाया गया है। पूर्व मंत्री असलम शेख मलाड वेस्ट से उम्मीदवार बनाया गया है। बता दें कि राज्य की 288 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव आयोग ने 20 नवंबर को चुनाव कराने का ऐलान किया है।

वर्षा गायकवाड़ की बहन डॉक्टर ज्योति गायकवाड़ को धारावी से उम्मीदवार घोषित किया गया है। पूर्व मंत्री नसीम खान को चांदीवली से उम्मीदवार घोषित किया गया है। वहां उन्हें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना के दिलीप लांडे से चुनौती मिलेगी।

जस्टिस संजीव खन्ना होंगे देश के अगले चीफ जस्टिस

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के अगले प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना होंगे। वे 11 नवंबर को पद संभालेंगे। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इसका ऐलान किया है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश संजीव खन्ना के नाम की सिफारिश की थी। सरकार ने निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर मेमोरेंडम ऑफ प्रोसीजर के अनुसार अपनी सिफारिश भेजने को कहा था। दरअसल चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ दो साल के कार्यकाल के बाद 10 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

प्रियंका गांधी वाड्रा का सरकारी कंपनियों निवेश

रेलवे और खनन क्षेत्र की कंपनियों के शेयर खरीदे

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रमुखता के साथ सरकारी कंपनियों में निवेश किया है। प्रियंका गांधी के हलफनामे के मुताबिक, प्रियंका के पास कुल 18 कंपनियों के शेयर हैं, जिनमें से 6 सरकारी क्षेत्र की हैं। 18 अक्टूबर तक उनके स्टॉक पोर्टफोलियो की कुल वैल्यू 65,72,012 रुपये है, जिसमें 19,08,875 रुपये का निवेश सरकारी शेयरों में किया गया है। उनके पोर्टफोलियो में रेलवे और खनन क्षेत्र की कंपनियाँ शामिल हैं। प्रियंका गांधी केरल के वायनाड से लोकसभा के लिए उपचुनाव लड़ रही हैं और उन्होंने चुनावी हलफनामे में यह जानकारियां साझा की हैं।

प्रियंका के पास इन कंपनियों के शेयर

प्रियंका गांधी के पास इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के 1,000 शेयर हैं, जिनकी वैल्यू 2,21,800 रुपये है। उन्होंने नेशनल एलुमिनियम के 2,000 और एनएमडीसी के 1,000 शेयर भी खरीदे हैं, जिनकी वैल्यू क्रमशः 4,64,000 रुपये और 2,31,450 रुपये है। इसके अतिरिक्त, प्रियंका के पास रेल विकास निगम लिमिटेड और राइट्स लिमिटेड के 1,000-1,000 शेयर हैं, जिनकी वैल्यू क्रमशः 4,77,200 रुपये और 3,02,800 रुपये है। उन्होंने रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के 500 शेयर भी खरीदे हैं, जिनकी वैल्यू 2,11,625 रुपये है।

प्रियंका का म्यूचुअल फंड में 24 करोड़ 24 लाख रुपये निवेश

प्रियंका गांधी वाड्रा ने म्यूचुअल फंड में भी 2 करोड़ 24 लाख रुपये का निवेश किया है। उनके पास 17 लाख रुपये का पीपीएफ खाता है। इसके साथ ही, उन्होंने सोने और चांदी में भी निवेश किया है। उनके पास 59.83 किलो चांदी की वस्तुएं हैं, जिनकी वैल्यू 29.55 लाख रुपये है, और 4.41 किलो की ज्वेलरी, जिसमें 2.5 किलो सोने की चीजें शामिल हैं, जिनकी कीमत 1.15 करोड़ रुपये है। इसके अलावा, प्रियंका के पास शिमला में एक घर और एक गाड़ी भी है। यह निवेश की जानकारी प्रियंका गांधी वाड्रा के आर्थिक स्थिति और निवेश के प्रति उनकी सोच को दर्शाती है, जिसमें सरकारी कंपनियों के प्रति उनकी रुचि विशेष रूप से नजर आती है।

यूपी-राजस्थान, उत्तराखंड में अवैध संपत्ति गिराने का मामला, सुप्रीम कोर्ट ने कहा

राज्यों के खिलाफ लगी याचिकाओं पर सुनवाई नहीं करेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अवैध संपत्तियों को गिराने के खिलाफ लगी याचिकाओं पर सुनवाई से इनकार कर दिया। मामले की सुनवाई जस्टिस बी आर गवई, जस्टिस पी के मिश्रा और जस्टिस के वी विश्वनाथन की बेंच ने की। बेंच ने कहा- हम उन याचिकाकर्ता की याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इन मामले से नहीं जुड़े हैं। इन याचिकाओं को सुनने लगे तो मामले काफी बढ़ जाएंगे।

दरअसल, याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि हरिद्वार, जयपुर और कानपुर में अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं माना, जिसमें कहा गया था कि कोर्ट की अनुमति के बिना संपत्ति नहीं गिराई जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट में दशकों के बाद बदली गई न्याय की देवी की मूर्ति को लेकर बार एसोशिसन ने आपत्ति जताई

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट में दशकों के बाद बदली गई न्याय की देवी की मूर्ति को लेकर बार एसोशिसन ने प्रस्ताव पारित कर कहा कि इस परिवर्तन से पहले हमारे सदस्यों से किसी भी तरह का परामर्श नहीं किया। उन्होंने कहा कि किस परिभाषा के आधार पर यह परिवर्तन किए गए हैं हमें इस विषय में कोई जानकारी नहीं है। कुछ समय पहले ही सुप्रीम कोर्ट में लगी न्याय की देवी की मूर्ति में कुछ परिवर्तन किए गए थे, जिसमें प्रतिमा की आंखों पर बंधी पट्टी को हटा दिया गया है और एक हाथ में तलवार की जगह संविधान ने ले ली है। कोर्ट की तरफ से करवाए गए यह परिवर्तन इस बात का प्रतीक है कि भारत में कानून न तो अंधा है और न ही दंडात्मक है।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की तरफ से पारित प्रस्ताव में कहा गया कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा एकतरफा रूप से कुछ आमूल-चूल परिवर्तन किए गए हैं। इन परिवर्तन के दौरान बार एसोसिएशन से किसी भी तरह का कोई भी परामर्श नहीं किया गया, जबकि हम भी न्याय प्रशासन में समान हितधारक हैं। कोर्ट से हमारा सवाल यह है कि जब यह बदलाव प्रस्तावित थे तो फिर इसके बारे में हमसे चर्चा क्यों नहीं की गई।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने न्यायधीशों की लाइब्रेरी में प्रस्तावित संग्रहालय पर भी आपत्ति जताई है। पारित प्रस्ताव में दावा किया गया कि एसोसिएशन की तरफ से अपने सदस्यों की जरूरतों के हिसाब से एक कैफे-सह-लाउंज का अनुरोध किया था, क्योंकि वर्तमान कैफेटेरिया उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है। बार एसोसिएशन की तरफ से कहा गया कि हम इस बात को लेकर चिंतित है कि न्यायधीशों की लाइब्रेरी में बनने वाले संग्रहालय को लेकर हमारी आपत्ति के बावजूद भी उस पर काम शुरू हो गया है, जबकि हमारे कैफेटेरिया को लेकर कोई सुनवाई नहीं हुई।

कांग्रेस नहीं लड़ेगी उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव

- सभी 9 सीटों पर सपा प्रत्याशियों को देगी समर्थन

लखनऊ/नई दिल्ली। (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सियासी माहौल गर्म है। ताजा खबर यह है कि कांग्रेस ने यूपी विधानसभा चुनाव नहीं लडने का फैसला किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक के बाद एआईसीसी उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि कांग्रेस एक भी सीट पर अपना प्रत्याशी नहीं उतारेगी। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों का समर्थन किया जाएगा और पार्टी के वरिष्ठ नेता उनके लिए प्रचार भी करेंगे।

अनिवाश पांडे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि देश के राजनीतिक हालात को देखते हुए इंडी गठबंधन बनाया गया है। इसका किसी संगठन या पार्टी से संबंध नहीं है। इसी तर्ज पर हमने लोकसभा चुनाव लड़ा था। हमने तय किया है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी अपने उम्मीदवार नहीं उतारेगी और इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों को जीतने में मदद करेगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नामो की चर्चा

दक्षिण भारत से बनेगा बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष

आम सहमति से चुना जाएगा भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजपा के सदस्यता अभियान का प्रारंभिक चरण पूर्ण हो गया है। संगठन के अन्य चुनाव नवंबर माह तक निपटा लिए जाएंगे। दिसंबर माह में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। इसके लिए अभी से जोड़-तोड़ शुरू हो गई है। वर्तमान में मौजूदा राष्ट्रपति पूर्वी भारत से आती है। उपराष्ट्रपति पश्चिम भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री उत्तर भारत से आते हैं। दक्षिण भारत के पास अभी कोई महत्वपूर्ण पद नहीं है। चारों दिशाओं को कवर करने,जाति और क्षेत्रीय समीकरण बिठाने के लिए, इस बार दक्षिण भारत से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन किया जाएगा।इस पर आम सहमति बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

दक्षिण भारत के जिन भाजपा नेताओं के नाम सामने आए हैं। उनमें पहलाद जोशी, एल मुरूगन, जी किशन रेड्डी, के अन्नामलाई, के ईश्वरप्पा तथा निर्मला सीतारमण के नाम पर चर्चा की शुरुआत हुई है।यह माना जा रहा है कि पहलाद जोशी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के पसंदीदा है। प्रधानमंत्री की कोशिश होगी, कि पहलाद जोशी के नाम पर संघ सहमत हो जाए। भाजपा के वरिष्ठ नेता का कहना है, राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए उपयुक्त व्यक्ति के नाम पर संसदीय बोर्ड विचार करेगा। आम सहमति से राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की कोशिश होगी। संगठन और सरकार के बीच समन्वय बना रहे। इसको ध्यान में रखते हुए नाम का चयन किया जाएगा। इस बार संघ भी खुलकर अपनी राय जाहिर कर रहा है। जिसके कारण असमंजस की स्थिति बनी हुई है। दक्षिण भारत से राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने पर सहमति बन जाती है। ऐसी स्थिति में अभी तक जिन नामो पर चर्चा हुई थी।उनका कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के चुनाव परिणाम और उपचुनाव के परिणाम भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को प्रभावित करेंगे। ऐसा माना जा रहा है पार्टी ने 15 दिसंबर के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करने की समय सीमा तय की है।इसके पहले संगठन स्तर के सभी चुनाव हो जाएंगे, ऐसा माना जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि 50 फीसदी संगठन के चुनाव हो जाने के बाद 15 दिसंबर तक पार्टी अध्यक्ष का चुनाव आवश्यक रूप से आम सहमति से कर लिया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनाव

एक साथ 85 विमानों को मिली धमकी

नई दिल्ली (ईएमएस)। विमानों को बम से उड़ाने की धमकी से जुड़े मामले थम नहीं रहे हैं. अब 85 विमानों को उड़ाने की धमकी मिली है. इनमें एअर इंडिया के 20 विमान शामिल हैं. जिन विमानों को धमकी मिली है, उनमें 20 इंडिगो, 20 विस्तारा और 25 अकासा की उड़ानें शामिल हैं. इससे पहले दिल्ली पुलिस ने पिछले आठ दिनों में 90 से ज्यादा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी के संबंध में आठ अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं. जिन उड़ानों को धमकी मिली हैं, उनमें अकासा, एअर इंडिया, इंडिगो और विस्तारा की सेवाएं शामिल हैं. ये उड़ानें दिल्ली से विभिन्न घरेलू और अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए संचालित होती हैं. पुलिस का कहना है कि इन मामलों में जांच की जा रही है.

जनगणना की तैयारियां शुरू...इसके लिए 34 सवालों का एक फॉर्म किया गया तैयार

देश में पहली बार होगी डिजिटल जनगणना

नई दिल्ली (ईएमएस)। 1 जनवरी 2025 से जनगणना का कामसारे देश में शुरू हो जाएगा। सभी राज्यों की सीमा 31 दिसंबर 2024 को सील कर दी जाएगी, ताकि जनगणना के आंकड़ों में कोई परिवर्तन ना हो। घर-घर जाकर पहली बार डिजिटल जनगणना होगी। इसके लिए 34 सवालों का एक फॉर्म तैयार किया गया है। जिसमें जनगणना करने वाले प्रगणक घर के मुखिया से जानकारी प्राप्त करेंगे। जनगणना करने वाले प्रत्येक प्रगणक को 25000 का भुगतान किया जाएगा। जनवरी 2025 से जनगणना का काम शुरू हो जाएगा।

इस बार की जनगणना में 34 प्रकार के सवाल पूछे जाएंगे। जिसमें प्रमुख रूप से घर में मुख्य अनाज, खाना पकाने का ईंधन,पीने के पानी का स्त्रोत, शौचालय की सुविधा, वाहन की उपलब्धता, घर में बिजली की उपलब्धता, गंदे पानी का निकास, नहाने की सुविधा उपलब्ध है, या नहीं। मोबाइल फोन और इंटरनेट की जानकारी, जाति व्यवस्था के लिए(एससी एसटी एवं अन्य) घर के सदस्यों की संख्या, उम्र, घर पक्का है या कच्चा, यह जनगणना फार्म में शामिल किए गए हैं। परिवार के प्रत्येक व्यक्ति को एक आईडी नंबर भी डिजिटल जनगणना में दिया जाएगा।

नहीं ली जाएगी बैंक खातों से संबंधित जानकारी

इस बार की जनगणना में बैंक खातों से संबंधित जानकारी नहीं ली जाएगी। जाति जनगणना को लेकर जो विवाद चल रहा है। उसे सरकार ने जनगणना फार्म में शामिल नहीं किया है। जनगणना में केवल एससी एसटी पिछड़ा वर्ग एवं अन्य को शामिल किया गया है। जनगणना के लिए प्रत्येक प्रगणक के पास 150 परिवारों की जानकारी जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक परिवार के सदस्यों की संख्या, जाति,लिंग,और अन्य आवश्यक जानकारी डिजिटल फॉर्म प्रगणक द्वारा दर्ज की जाएगी।

जन हितैषी

आत्महत्याएं एक त्रासदी ?

मानव हताशा व निराशा के भंवर से मुकाबला करने के बजाए मौत ही आखिरी विकल्प ढूंढ रहा है।जबकि दुनिया में कोई भी चीज असंभव नहीं है। हताशा के अन्धेरे में दीये बूझ रहे हैं।इन बूझते दीयों को बचाने के लिए समाज को एक रूपरेखा तैयार करनी होगी।ताकि इस भयानक प्रवृति पर विराम लग सके। समाज में टूटते परिवार,बेरोजगारी ,गरीबी ,व अशिक्षा, तनाव के मुख्य कारण हैं। आज के युवा कैरियर को लेकर भी परेशान है। मनमाफिक रोजगार न मिलने के कारण तनावग्रस्त रहते है। प्रेम में असफलता ,परीक्षा मे फेल होने, कर्ज न चुकाने ,के कारण भी मौत को गले लगा रहा है।युवा वर्ग में यह प्रवृति बडे पैमाने पर बढती जा रही है।यदि इस पर संज्ञान न लिया तो भविष्य में मुशिकलें पैदा होंगी।भारत एक ऐसा देश है जहां सबसे अधिक आत्महत्याएं होती है।प्रतिदिन आत्महत्याओं की खबरें सुर्खियां बनती है।इंसान खुद तो मर जाता है लेकिन पीछे तडफने के लिए पूरा परिवार छोड देता है।दहेज के कारण भी आत्महत्याएं बढ रही है। देश के अन्नदाता कहलाने वाले किसान का आत्महत्या करना का कारण कभी सरकारी नीतियां बनती है।तो कभी मौसम की बेरूखी।पिछले पन्द्रह सालों में एक लाख से भी अधिक किसान आत्महत्या कर चुके है। आज तक किसी किसान ने अकाल ,बाढ, भूखमरी के कारण आत्महत्या तक नहीं की लेकिन सरकारी नीतियां ही इसका कारण बन रही है। लोगों ने अपनी जीवन लीलाएं खत्म की है। आत्महत्याओं के औसतन तीन सौ मामले प्रतिदिन सामने आते है। भारत के परिपेक्ष्य मे आत्महत्या के तरीकों में फांसी लगाना ,आग लगाना,तथा जहरीला पदार्थ निगलना,मुख्य है। देश मे घटित इन मामलों से भविष्य की भयानक तस्वीर दिख रही है।समाजशास्त्री कहते हैं कि सामाजिक सुरक्षाबोध,पारिवारिक जुडाव,और तनाव से दूरी ही आत्महत्याओं पर अंकुश लगा सकती है। इसलिए इस कदम रोकने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगें। ताकि समाज से इस प्रवृति को दूर किया जा सके।देश के युवाओं की नकारात्मक सोच को सकारात्मक बनाना होगा। सामाजिक परिदृश्य को बदलना हर नागरिक का कर्तव्य है।समाज के बुद्धिजीवी वर्गों को इस पर मनन करना चाहिए। युवा देश के कर्णधार होते हैं जो देश की दिशा बदल सकते हैं।इन्हें दिग्भ्रमित होने से बचाना जरूरी है। युवाओं का मार्गदर्शन करना होगा ताकि निराशा व हताशा से दूर रह सकें।यह देश हित व जनहित के लिए बेहद लाजिमी है।सरकारों को भी इन घटनाओं को अनदेखा नहीं करना चाहिए। यदि अब भी इन घटनाओं के प्रति कदम न उठाये तो अनमोल जिंदगियां। भौतिकवादी सोच ने समाज में कई तरह के पतन पैदा किए है। पैसे की भूख व अतिवादी सोच ने उपहार में लोगों को एकाकी जीवन व तनाव दिया है।आज मानव जीवन में तनाव इतना अधिक बढ गया है।कि बच्चे से लेकर जवान व बूढे ,शिक्षित से लेकर अशिक्षित ,छात्र से लेकर उच्च अधिकारी,किसान,गरीब से लेकर अमीर सभी तनाव से ग्रस्त है।मानसिक तनाव के कारण देश में सामूहिक आत्महत्याओं की प्रवृति बेतहाशा बढती जा रही है।ऐसा क्यों? यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है।देश में बढती आत्महत्याएं एक गंभीर चिन्ता का विषय बनता जा रहा है। आज युवा में बढती कुंठा,असहनशीलता ,और असफलता आत्महत्याओं का कारण बन रहे है।यह आंकडा बडे पैमाने पर बढता ही जा रहा है यह बहुत ही चिन्तनीय है समाज के बुद्धिजीवी वर्ग को इस पर चिन्तन मनन करना होगा त ताजा घटनाक्रम मे 25 जुलाई को मंडी के लाल बहादुर शास्त्री मेडिकल कॉलेज मे एम बी बी एस के एक प्रशिक्षु छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली यह छात्र राजस्थान का रहने वाला था फरवरी मे भी ऐसा ही एक मामला एम्स बिलासपुर में घटित हुआ था जहाँ एक एमबीबीस छात्र ने तीसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी ?ऐसे आत्महत्या के मामले बहुत ही दुखद है ?युवा हताश होता जा रहा है और सहनशक्ति खोता जा रहा है और आत्महत्या जैसे कदम उठा रहा है ?देश मे छात्रों द्वारा आत्महत्या के बहुत मामले हो चुके हैं और यह निरंतर बढते ही जा रहे हैं ?2021से लेकर अक्टूबर 2024 तक असंख्य लोग अपनी जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं यह मामले बढते ही जा रहे हैं इन मामलों को रोकना होगा।आत्महत्याओं के मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं । यह एक अनसुलझी पहेली बनती जा रही है।दरअसल मानव की अपेक्षाएं इतनी बलवती हो गई है कि मानव रातों -रात अमीर बनने की चाहत में अवैध व अनैतिक कार्यों को अंजाम देकर अपनी इच्छाओं की पूर्ति कर रहा है।लेकिन इतिहास साक्षी है कि दुनिया में जितने भी सफल लोग है संघर्षों के बाद ही उच्चें मुकाम पर पहुंचे है। आज मानव असफल होने पर आत्महत्या कर रहा है।मां बाप भी अपने बच्चों से बेहद अपेक्षा रखते है लेकिन बच्चे असफल हो रहे हैं और अपनी जिंदगी खत्म कर रहे हैं ।चाहते है मानव जीवन बहुत ही संघर्षों के बाद मिलता है मगर देश में जिस प्रकार युवा से लेकर बुजुर्ग तक अपनी जीवन लीलाएं समाप्त कर रहें हैं बहुत ही दुखद है। आत्महत्या करने का एक कारण हो सकता है लेकिन जीने के हजार कारण है। काली से काली रात के बाद भी दिन का उजाला होना निश्चित है। फिर जीवन से खिलवाड क्यों कर रहे हो। मानव जीवन एक बार मिलता है बार बार नहीं ? इन्सान को इस पर गहन चिन्तन करना होगा।

भारत की उपलब्धि और नरेंद्र का संदेश है समझौता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सम्मिलित होने के लिये रूस के कजान में पहुंचे तो, उनका सदैव की तरह भव्य स्वागत किया गया। कृष्ण भक्तों ने भजन गाये, जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाव-विभोर हो गये। कजान से सामने आई तस्वीरों में इस बार विशेष बात यह देखी गई कि नरेंद्र मोदी को भारत गणराज्य का प्रधानमंत्री लिखा गया, वहां रहने वाले भारतीय समुदाय ने पोस्टर पर इंडिया शब्द नहीं लिखा, इसके अलावा दुनिया भर में कई मोर्चों पर युद्ध चल रहा है, ऐसे तनाव पूर्ण वातावरण में नरेंद्र मोदी सकारात्मक संदेश दे रहे हैं, जिससे विश्वभर के नेता प्रभावित दिखाई दे रहे हैं, उन्होंने रूस पहुंचते ही एक बार फिर दोहराया कि हर समस्या का हल शांति से ही संभव है, साथ ही भारत और चीन के बीच 52 महीनों से चल रहे तनाव को बातचीत के द्वारा ही हल कर दिया गया, जिसे भारत की विशेष उपलब्धि कहा जा सकता है, साथ ही युद्ध से जूझ रहे देशों के लिये नरेंद्र मोदी का विशेष संदेश भी कहा जा सकता है, इस सब पर ही चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

भारत और चीन के बीच विवाद सुलझा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग के बीच बैठक से पहले ही भारत और चीन ने एक अहम कदम के रूप में सीमा विवाद सुलझा लिया। भारत और चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अप्रैल 2020 से पहले की तरह गश्त शुरू करने पर सहमत हो गये, इस समझौते से दोनों देश लद्दाख में विवाद के बाकी बचे दो क्षेत्रों देपसांग-डेमचोक से सेनाओं को हटा लेंगे। विवाद के चार अन्य क्षेत्र गलवां घाटी, उत्तर व दक्षिण पेंगोंग त्सो और गोगरा हॉट स्प्रिंग पर पहले ही समाधान निकल चुका है। गलवां घाटी में खूनी संघर्ष के साढ़े चार साल बाद ब्रिक्स सम्मेलन से पहले ही भारत की यह बड़ी उपलब्धि रही।

52 महीनों से चल रहा था विवाद

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में 52 महीनों से चल रहा सीमा तनाव सुलझाने के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने इस फैसले की घोषणा करते हुये कहा कि 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हुई घटनाओं के बाद से हम चीनी पक्ष के साथ सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर लगातार संपर्क में थे। डब्ल्यूएमसीसी और सैन्य कमांडर स्तर पर दोनों देशों के बीच कई दौर की बात-चीत हुई। उन्होंने कहा कि वार्ता की इन कवायदों के कारण कई मोर्चों पर टकराव और तनाव मिटाने में कामयाबी मिली है, फिर भी असहमति के कुछ बिंदु बाकी थे। विदेश सचिव के अनुसार पिछले कुछ हफ्तों में हुई वार्ताओं के बाद भारत-चीन सीमा क्षेत्र में सैन्य गश्त की व्यवस्था को लेकर सहमति बन गई है, इसके चलते सैन्य आमने-सामने की स्थिति अब सुलझ गई है। सहमति विशेष रूप से डेपसांग और डेमचौक क्षेत्रों में गश्त से संबंधित है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि हम कह सकते हैं कि चीन के साथ सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई है। हम उन जगहों पर गश्त करने में सक्षम होंगे, जहां हम 2020 से पहले कर रहे थे। मुझे लगता है कि यह एक अच्छा विकास है।

आसान नहीं थी समझौते की राह

भारत और चीन के बीच समझौता होना आसान बात नहीं है। जुलाई में विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच दो अहम बैठकें हुई थीं। पिछले चार वर्षों में 31 दौर की कूटनीतिक बैठकें और 21 दौर की सैन्य वार्ता ने भारत और चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों की वापसी को लेकर एक समझौते पर पहुंचने का रास्ता खोला है। पहली बैठक 4 जुलाई को कजाकिस्तान के अस्ताना में एससीओ काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ स्टेट मीटिंग के दौरान हुई थी, इसमें दोनों मंत्री इस बात पर सहमत हुये थे कि एलएसी पर मौजूदा स्थिति का लंबे समय तक खिंचना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है, इसके बाद दोनों मंत्री 25 जुलाई को लाओ पीडीआर के वियनतियाने में आसियान देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में मिले थे, जिसमें भारत की तरफ से कहा गया कि दोनों मंत्रियों ने जल्द से जल्द डिसइंगेजमेंट के लिये तत्परता के साथ काम करने की जरूरत पर सहमति जताई, जिसके बाद भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय पर कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की बैठक आयोजित की गई, जो 31 जुलाई को दिल्ली में, फिर 29 अगस्त को चीन में हुई।

भरोसे को हुआ नुकसानः द्विवेदी

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पिछले दिनों कहा था कि दोनों पक्षों ने आसान मुद्दों को सुलझा लिया है और अब कठिन परिस्थितियों से निपटने की जरूरत है। उन्होंने कहा था कि कूटनीतिक पक्ष से सकारात्मक संकेत मिले हैं और जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन दोनों देशों के सैन्य कमांडरों पर निर्भर है। उन्होंने कहा था कि पूरे मामले में दोनों देशों के बीच भरोसा टूटा है और हम चाहते हैं कि अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति बहाल हो।

यह है ब्रिक्स

ब्राजील, रुस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के समूह कोंँघ्ण्ए के रूप में जाना जाता है। ब्रिक्स दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह है। ब्रिक्स के विचार की परिकल्पना वर्ष- 2001 में की गई थी, जो 2006 में ब्रिक के रूप में सामने आई, फिर 2010 में दक्षिण अफ्रीका भी सम्मिलित हो गया, जिसके बाद ब्रिक्स कहा जाने लगा। अगस्त 2023 में दक्षिण अफ्रीका में हुये 15वंअ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में लिये गये निर्णय के अनुसार अब समूह में 10 देश सम्मिलित हो गये हैं। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात नये पूर्ण सदस्य के रूप में ब्रिक्स में सम्मिलित हुये हैं। ब्रिक शब्दावली के जन्मदाता जिम ओनील हैं। अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय कंसलटेंसी गोल्डमैन सैक्स से जुड़े ओनील ने इस शब्दावली का प्रयोग सबसे पहले वर्ष- 2001 में अपने शोधपत्र में किया था, जिसका शीर्षक था बिल्डिंग बेटर ग्लोबल इकोनॉमिक ब्रिक्स। ब्रिक्स आज दुनिया की 43ङ्ग आबादी, दुनिया के 32ङ्ग भूमि क्षेत्र, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 35ङ्ग और विश्व निर्यात का 20ङ्ग कवर करता है। समूह के अनुसार, यह पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग विकसित करने के अवसर प्रदान करता है, जो देशों के सतत विकास और वृद्धि में योगदान देता है।

भारत के लिये अहम है ब्रिक्स

भारत ब्रिक्स को वैश्विक संतुलन, विविधता और बहुलता का एक अहम मंच मानता है। रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने कहा कि भारत ब्रिक्स का संस्थापक सदस्य है और ब्रिक्स के ढांचे के अंदर आर्थिक सहयोग के लिये प्रतिबद्ध है। मीडिया रिपोर्टस विनय कुमार ने कहा कि सम्मेलन में एजेंडे में भारत की तरफ से कुछ मुद्दे सम्मिलित हैं, जिसमें आर्थिक सहयोग का और विस्तार, राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार समझौता, सतत विकास, विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन की समस्याओं को दूर करने के लिये पीएम मोदी का एलआईएफई मिशन, समाज के हाशिये पर पड़े वर्गों के डिजिटल समावेशन, वित्तीय समावेशन की दिशा में काम करना और भारत की कुछ उपलब्धियां सम्मिलित हैं।

रवाना होने से पहले नरेंद्र मोदी ने यह कहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को रूस के दौरे पर रवाना होने से पहले कहा कि वह शिखर सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा को लेकर आशान्वित हैं। उन्होंने कहा कि भारत ब्रिक्स के अंदर करीबी सहयोग को महत्व देता है, जो वैश्विक विकासात्मक एजेंडा, बहुपक्षवाद, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक सहयोग, लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों को जोड़ने आदि से जुड़े मुद्दों पर बातचीत और चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरा है। मैं ब्रिक्स के अन्य नेताओं से भी मिलने के लिए उत्सुक हूँ।

पुतिन ने जी- 7 से की तुलना

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि आने वाले समय में और भी देश ब्रिक्स में सम्मिलित होंगे और जैसे-जैसे ग्रुप की ताकत बढ़ेगी, गैर सदस्य देशों को भी इसका फायदा होगा। पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह बिल्कुल स्पष्ट है कि भविष्य में भी इसकी भूमिका बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के सदस्य देश वास्तव में वैश्विक आर्थिक विकास के चालक हैं। रूसी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार पुतिन ने कहा कि वर्ष- 1992 में जी- 7 देशों की हिस्सेदारी वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 45.5 प्रतिशत थी, जबकि ब्रिक्स देशों की हिस्सेदारी 16.7 प्रतिशत थी। पुतिन ने कहा कि 2023 में ब्रिक्स की हिस्सेदारी 37.4 प्रतिशत और जी- 7 की हिस्सेदारी 29.3 प्रतिशत है। पुतिन ने अपने संबोधन में कहा कि अंतर बढ़ रहा है और यह बढ़ेगा, यह अपरिहार्य है।

व्हाइट हाउस ने की सकारात्मक टिप्पणी

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन पियरे ने कहा है कि अमेरिका साझा लक्ष्यों को हासिल करने के लिये दुनियाभर के भागीदार देशों के साथ काम करने पर केंद्रित है और अमेरिका ब्रिक्स को किसी भी भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में विकसित होते हुये नहीं देख रहा है। पियरे ने कहा कि अमेरिका, भारत, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील जैसे अपने भागीदारों के साथ काम करना जारी रखेगा। ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर व्हाइट हाउस की प्रवक्ता जीन पियरे से पूछा गया था कि क्या बाइडन सरकार इस बात को लेकर चिंतित है कि ब्रिक्स देश, अमेरिका की आर्थिक ताकत को कमजोर कर सकते हैं? इस पर जीन पियरे ने कहा कि हम दुनियाभर के भागीदार देशों के साथ काम करने और साझा लक्ष्यों को हासिल करने के लिये मजबूत संबंध बनाने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम ब्रिक्स को भू-राजनीतिक प्रतिद्वंदी के रूप में विकसित होते हुये नहीं देख रहे हैं।

मेजबान रूस ने सम्मेलन को दी भव्यता

16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी रूस द्वारा की जा रही है। 1 जनवरी को रूस को ब्रिक्स की अध्यक्षता सौंपी गई थी। 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिक्स नेता पारस्परिक रूप से लाभकारी ब्रिक्स सहयोग, क्षेत्रीय और वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक विकास के साथ-साथ वैश्विक शासन सुधार की स्थिति पर विचार-विमर्श, जोहान्सबर्ग में हुये पिछले सम्मेलन के दौरान मांगी गई रिपोर्टों पर विचार, इसमें ब्रिक्स भागीदार मॉडल और संभावित उम्मीदवारों के आगे के विकास पर और स्थानीय मुद्राओं, भुगतान साधनों और प्लेटफार्मों पर विचार, शिखर सम्मेलन में न्यू डेवलपमेंट बैंक, ब्रिक्स इंटरबैंक कोऑपरेशन मैकेनिज्म, ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल और ब्रिक्स महिला बिजनेस एलायंस की रिपोर्ट पर चर्चा, न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) और मुद्रा आदि एजेंडा पूर्व नियोजित था। रूस से सम्मेलन की तैयारी काफी पहले शुरू कर दी थी, पूरे कजान को दुल्हन की तरह सजाया गया।

नरेंद्र मोदी और व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई चर्चा

नरेंद्र मोदी और व्लादिमीर पुतिन के पास व्यापार, अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, रक्षा, संपर्क, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों समेत द्विपक्षीय मुद्दों की पूरी श्रृंखला पर चर्चा करने के लिये एक व्यापक एजेंडा था, दोनों नेताओं के बीच आपसी चिंता के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा हुई, दोनों नेताओं ने ब्रिक्स से संबंधित कई मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और राष्ट्रपति पुतिन ने कजान ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से संबंधित दस्तावेजों को अंतिम रूप देने में भारत के रचनात्मक रवैये और योगदान के लिये अपनी प्रशंसा व्यक्त की। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि दोनों नेताओं ने यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर भी अपने विचार साझा किये। प्रधानमंत्री मोदी ने दोहराया कि संघर्ष के समाधान के लिये बातचीत और कूटनीति ही आगे का रास्ता है। उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन को यूक्रेनी नेतृत्व के साथ अपने जुड़ाव के बारे में जानकारी दी और कहा कि भारत इस क्षेत्र में शांति लाने में योगदान देने के लिये तैयार है। एक महत्वपूर्ण मुद्दा, जो सामने आया, वह रूसी सेना में शेष भारतीय नागरिकों की शीघ्र रिहाई का मुद्दा था, दोनों पक्षों ने इस पर चर्चा की और रूसी पक्ष के समर्थन से, हाल के महीनों में कई भारतीय नागरिक भारत लौटने में सफल रहे हैं।

नरेंद्र मोदी और मसूद पेजेशकियन ने की भेंटवार्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात की, दोनों नेताओं ने ब्रिक्स सम्मेलन से अलग एक मुलाकात में पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर चर्चा की, इस दौरान नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने पर जोर दिया, साथ ही ईरान और इस्राइल के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिये भारत की भूमिका की बात की, दोनों नेताओं ने चाबहार बंदरगाह और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि जुलाई में राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से पीएम नरेंद्र मोदी की यह पहली मुलाकात थी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच सार्थक चर्चा हुई, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने बढ़ते संघर्ष पर गहरी चिंता व्यक्त की, साथ ही नागरिकों की सुरक्षा और नुकसान की रोकथाम के लिये भारत के आह्वान को दोहराया। उन्होंने तनाव कम करने के लिये बातचीत और कूटनीति की आवश्यकता पर जोर दिया। विदेश सचिव ने कहा कि राष्ट्रपति पेजेशकियन ने भी पश्चिम एशिया में शांति और सद्भाव की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी पक्षों के साथ अपने अच्छे संबंधों को देखते हुये भारत इस संघर्ष को कम करने में भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पेजेशकियन को उनकी हालिया जीत पर बधाई दी, इसके अलावा ईरान के साथ सदियों पुराने द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने की भारत की प्रतिबद्धता जताई। मिस्त्री ने कहा कि दोनों नेताओं ने अपने साझा ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों पर जोर दिया और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की, इसमें चाबहार बंदरगाह और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) में सहयोग पर बात हुई, जो कनेक्टिविटी और आर्थिक साझेदारी को बढ़ाने के लिये महत्वपूर्ण है। (लेखक- बीपी गौतम... / ईएमएस)

भारतीय ज्योतिषियों की बलिहारी

मेरा ज्योतिष में किंचित क्या रत्ती भर विश्वास नहीं है ,लेकिन मेरे विश्वास करने और न करने से क्या फर्क पड़ता है। देश की बहुसंख्यक जनता का विश्वास तो है ज्योतिष पर। और इसी विश्वास के सहारे देश का कारोबार ,बाजार चलता आ रहा है। ज्योतिषी जब बताते हैं तब हमारे यहां नेता चुनाव में नामांकन पत्र दाखिल करते है। हम खुद ज्योतिषी के बताये मुहूर्त पर गृह प्रवेश करते है। और तो और भाँवरें डालते हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण ये है कि हम खरीद-फरोख्त भी ज्योतिषियों द्वारा बताये गए महूर्त के हिसाब से ही करते हैं।

मैंने जब से होश सम्हाला है तब से देखता आ रहा हूँ कि हमारे भारतीय ज्योतिषी मुहूर्तों के बारे में पूछने पर ही बताते हैं और वो भी दक्षिणा लेने के बाद। वे पत्रा / पंचांग तभी खोलते हैं जब चढ़ौती चढ़ा दी जाय। लेकिन खरीद-फरोख्त के लिए शुभ मुहूर्त बताते हुए ज्योतिषी किसी से कोई दक्षिणा नहीं मांगते । बस बता देते हैं कि कब मकान खरीदना है ,कब सोना-चांदी खरीदना है ,कब वाहन खरीदना है। त्यौहार के मौसम में ज्योतिषी ऐसे -ऐसे दुर्लभ मुहूर्त बताते हैं की जनता बावली हो जाती है। जनता को बाबला कर ये ज्योतिषी बाजार की बल्ले-बल्ले करा देते हैं। एक ही दिन में साल-छह महीने का कारोबार हो जाता है। लगता है कि बाजार कि और ज्योतिषियों कि कोई दुरभि संधि है।

हम उन लोगों में से हैं जो अपना हर काम अबूझ मुहूर्त में करते है। ज्योतिषियों के बताये मुहूर्त के फेर में नहीं पड़ते ,इसीलिए चाहे जितना दुर्लभ मुहूर्त हो हम बाजार की और रुख नहीं करते । हालाँकि हमारे घर में दूसरे लोग नजर बचाकर बाजार से खरीदारी कर लेते हैं लें हम धनतेरस को भी चम्मच/ घंटी से ज्यादा कुछ नहीं खरीदते। खरीदना भी नहीं है क्योंकि ज्योतिषी तो साल में दस बार दुर्लभ मुहूर्त बताते है। यदि उनके हिसाब से खरीदारी करने लगे तो घर का बजट ही फेल हो जाये।

अब इस साल ही देख लीजिये। ज्योतिषियों ने कहा है की इस साल 24 अक्टूबर को जो दुर्लभ मुहूर्त बना है वो आज से 752 साल पहले बाना था। कमाल की बात है न कि जब दुनिया में कम्प्यूटर नहीं जन्मा था तब भी हमारे ज्योतिषियों का गुणा-भाग चलता था और उन्हें आज भी कम्प्यूटर नहीं बल्कि उनका अपना पत्रा/ पंचांग ही सैकड़ों साल पुराने मुहूर्त के बारे में बता देता है। मुझे कभी-कभी लगता है कि देश की असली सेवा हमारे ज्योतिषी ही करते हैं ,लेकिन कभी-कभी इनके ऊपर शक भी होता है , क्योंकि ये ज्योतिषी आजतक ये नहीं बताये कि देश के अच्छे दिन कब आएंगे ?

आपको बता दूँ कि मै जिस शहर में रहता हूँ वो एक बड़े गांव जैसा ही ह। महाराजाओं का शहर है। यहां न सिटी बस है और न मेट्रो रेल। लेकिन वहां भी इस मुहूर्त के फेर में एक दिन में एक हजार वाहनों की खरीद हो गयी । मकान खरीदने वालों को मुहूर्त के हिसाब से रजिस्ट्री करने के लिए मुंह-मांगी रिश्वत देने के लिए मजबूर होना पड़ा। क्या पता कि मुहूर्त निकलने के बाद खरीदारी लाभप्रद हो या न हो। हमारे यहां आदमी धर्मभीरु ही नहीं ज्योतिष-भीरु भी है। ज्योतिषी नट की तरह देश की सीधीसादी जनता को अपने इशारे पर नचाते हैं। जनता कभी नहीं सोचती कि ये दुष्ट ज्योतिषी उनके भले के लिए नहीं बल्कि बाजार के भले के लिए ख़ास मुहूर्त निकलकर अखबारों में ,टीवी चैनलों पर दिखाते हैं। जनता तो ठहरी आँख की अंधी और नाम नयनसुख वाली। अपने दिमाग की खिड़कियां और दरवाजे कभी खोलती ही नहीं।चाहे चुनाव हो या भागवत कथा। देश की जनता कभी इन ज्योतिषियों से पूछती ही नहीं कि दुर्लभ योग में उन्होंने अपने लिए क्या खरीदा ?

ज्योतिषी बड़े चतुर -सुजान होते हैं। जनता को किश्तों में उलूक बनाते हैं। इस साल उन्होंने वृषभ ,कन्या और तुला राशि के जातकों को चुना। कहा कि इन राशियों के लोग यदि 752 साल बाद पड़ने वाले दुर्लभ योग का लाभ उठाना चाहते हैं जो हनकर यानि जमकर दरियादीली से खरीद-फरोख्त करें । ईडी ,सीबीईआई की फ़िक्र न करें।

चूंकि ये मुहूर्त केवल हिन्दू पंचांगों में से निकलते हैं इसीलिए ये हिन्दुओं के लिए ही शुभ होते है। मुसलमान,ईसाई या दूसरे धर्मों के लोगों के लिए नहीं। हामिद को तो आज भी अपनी अम्मी के लिए बाजार से चिमटा ही खरीदना पड़ता है। देश के 85 करोड़ लोग तो उस मुहूर्त को ही शुभ मानते हैं जिस दिन उन्हें पांच किलो मुफ्त का अन्न मिलता है। लाड़ली बहिनों के लिए तो केवल वो मुहूर्त शुभ होता है जिस दिन उनके खाते में सरकार 1250 रूपये राखी बंधन के नेग के रूप में डाल देती है।

हमारा दुर्भाग्य ये है कि हम लोग चाहकर भी इन ज्योतिषियों की भविष्यवाणीयों को चुनौती देने देश की किसी छोटी या बड़ी अदालत नहीं जा सकता । जैसे-तैसे पहुँच भी जाएँ तो वहां हमें सुनेगा कौन ? अदालतों में भी तो आखिर धर्मभीरु/ मुहूर्त प्रेमी लोग ही विराजते हैं। हमारे देश के मुख्यन्यायाधीश ने खुद रहस्योद्घाटन किया कि वे जब भी किसी बड़े मामले में फैसला करने वाले होते हैं भगवान की शरण में चले जाते हैं। देश का कोई ज्योतिषी वही गुरु,अल्लाह या जीसस की शरण में कभी गया हो तो हमें पता नहीं। कहने का आशय ये है कि जिस देश में कार्यपालिका ,विधायिका और न्यायपालीका तक भगवान के भरोसे काम करती हो उस देश में आखिर ज्योतिषियों का तम्बू कौन उखाड़ सकता है ? इन्हें तो सर्वदलीय समर्थन हासिल होता है। किसी भी दल की सरकार हो कोई इनके खिलाफ जाने वाला नहीं है। क्योंकि सभी की दुकानदारी में ज्योतिष की अहम भूमिका है।

आप मुझे ज्योतिष शास्त्र कहें या विज्ञान कहें का विरोधी न माने । निंदक न मानें। मुझे तो अपने सनातन ज्ञान पर गर्व है। इसी के चलते सहमत न होते हुए मै जिस अखबार में काम करता था उसके पंडित जी यदि किसी दिन भविष्यफल भेजने में आलस करते थे तो मैं खुद उनकी और से भविष्यफल लिखकर छाप लेता था ।पाठकों का मन जो रखना होता था। मैने जिस स्थानीय न्यूज चैनल में काम किया उसके दर्शकों के लिए खुद कंठीमाला पहनकर ज्योतिषी की भूमिका अदा की।आजकल चैनलों में अभिनय ही तो प्रधान है। आखिर जनता की आँखों में धूल ही तो झोंकना है नेताओं की तरह। जनता की आँखों में धूल झोंकना सबसे आसान काम और सबसे अधिक ललितकला है। इसलिए आप भी मेरे कहने से 752 साल बाद बने इस सौभग्यशाली मुहूर्त की अनदेख न करें। खरीदारी करे। क्रेडिट कार्ड से करें ,परसनल लोन लेकर करें ,कढ़ुआड कर्ज लेकर .काढ़कर करें। खरीदारी जरूर करें ,क्योंकि इसी से तो आपका भाग्य चमकने वाला है। जय श्री राम (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

दंगल ने कमाए 2 हजार करोड़, बबीता को मिले मात्र 1 करोड़

साक्षात्कार में बबीता ने यह चौंकाने वाली जानकारी साझा की

नई दिल्ली (ईएमएस) । हाल ही में पहलवान से राजनेता बनी बबीता फोगट ने खुलासा किया कि ब्लॉकबस्टर फिल्म दंगल से उनके परिवार को मुआवजे के तौर पर केवल 1 करोड़ रुपए मिले। एक साक्षात्कार में बबीता ने यह चौंकाने वाली जानकारी साझा की। बातचीत के दौरान, एंकर ने यह पूछकर राशि की पुष्टि की, दंगल से कमाए गए 2,000 करोड़ रुपये में से, फोगट परिवार को केवल 1 करोड़ रुपए मिले?

पहलवान से राजनेता बनीं बबीता ने सिर हिलाकर और दृढ़ता से हां कहकर इसकी पुष्टि की। इसके अलावा, जब उनसे पूछा गया कि क्या इससे उन्हें निराशा हुई, तो बबीता ने अपने पिता महावीर फोगट द्वारा सिखाए गए मूल्यों को दर्शाते हुए एक शालीन जवाब दिया। उन्होंने कहा, नहीं, पापा ने एक चीज कहीं थी कि लोगों का प्यार और सम्मान चाहिए। 23 दिसंबर, 2016 को रिलीज हुई दंगल का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया था जिसमें आमिर खान ने न केवल महावीर फोगट की मुख्य भूमिका निभाई थी, बल्कि फिल्म के सह-निर्माता भी थे। इसमें महावीर फोगट की यात्रा को दर्शाया गया है, जो एक पूर्व पहलवान हैं जिन्होंने अपनी बेटियों गीता और बबीता फोगट को विश्व स्तरीय पहलवान बनने के लिए प्रशिक्षित किया। बबीता फोगट का कुश्ती करियर शानदार रहा है। उन्होंने 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता और 2014 में स्वर्ण पदक जीता। 2012 में उन्होंने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता जिससे खेल में उनका नाम और मजबूत हुआ।

उन्होंने 2016 के रियो ओलंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया, हालांकि वह पोडियम पर जगह बनाने में विफल रहीं। 2019 में बबीता ने पेशेवर कुश्ती से संन्यास ले लिया और राजनीति में कदम रखा जिससे उनकी सार्वजनिक सेवा की यात्रा जारी रही। बता दें कि बबीता फोगट ने हाल ही में ब्लॉकबस्टर फिल्म दंगल से अपने परिवार को मिली कमाई के बारे में एक चौंकाने वाला खुलासा किया। फोगट परिवार की वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित इस फिल्म ने दुनिया भर में लगभग 2,000 करोड़ रुपए कमाए।

शब्द पहेली - 8168

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,भगवान-2
3.सुंदर,खूबसूरत-3
6.सलाह,मत-2
8.स्नान करना-3
10.वध करना-3
12.निर्माण-3
14.रूई का पौधा-3
17.आयोग्य-3
19.अंजाम देना-3
21.कत्ल,हत्या-2
23.नौकरानी-3
25.गाने का ढंग, शैली-2
26.मुलायम-3
28.एक गहरा व बड़ा बर्तन-3
30.तृतीय, दूसरे के बाद-3
32.सेनापति, अगुवा-3
35.भीरु,डरपोक-3
37.कथा,गाथा-3
39.वध,मर्डर-2
40.राहु का एक पुत्र-3
41.एक विदेशी शराब

ऊपर से नीचे

1.क्रिकेट में बनते हैं-2
2.बसंत का समय-3
4.हद,सरहद-2
5.स्वर्ग का विलोम-3
7.यमराज,मृत्यु देवता-2
9.नृत्य करना-3
11.अपवित्र-3
13.असफल-3
15.सहज, आसान-3
16.श्रावण, आषाढ़ के बाद का महीना-3
18.आराम, मदद, चैन-3
20.मुखिया, सरदार-3
22.भूमि, वसुंधरा-3
24.क्रुद्ध, खफा होना-3
27.मक्खन-3
29.योग्य, काबिल, गुणवान-3
31.दही का एक भोज्य पदार्थ-3
33.एक जाती जो प्राय: डोली ढोने, पानी भरने आदि के काम करती है-3
34.रास्ता, मार्ग-2
36.एक अंग्रेजी शराब-2
38.एक औषधीयुक्त पेड़-2

शब्द पहेली -8167 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

रबाडा ने मोर्कल को पीछे छोड़कर बनाया नया रिकॉर्ड

ढाका (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए मोर्ने मोर्कल को पीछे छोड़ दिया और प्रोटियाज के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पांचवे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। इस मैच के दौरान, रबाडा ने बांग्लादेश की दूसरी पारी में 17.5 ओवर में 6 विकेट लेते हुए केवल 46 रन दिए। उनके विकेटों में महमूदुल हसन जॉय, शादमान इस्लाम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, मेहदी हसन मिराज, और नईम हसन शामिल थे। रबाडा ने अब तक 231 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 24.18 की औसत से 536 विकेट लिए हैं। इसके साथ ही, मोर्ने मोर्कल ने अपने करियर में 535 विकेट लिए थे, जिसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/112 रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के लिए रिकॉर्ड

दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज दिग्गज ऑलराउंडर शॉन पोलक हैं, जिन्होंने 414 मैचों में 23.63 की औसत से 823 विकेट लिए हैं। पोलक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 7/87 रहा है। रबाडा ने बांग्लादेश की पहली पारी में 300 टेस्ट विकेट तक पहुंचने वाले छठे दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज बनने की भी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने यह उपलब्धि 11,817 गेंदों में प्राप्त की, जो कि किसी भी गेंदबाज द्वारा अब तक का सबसे तेज आंकड़ा है। वर्तमान में उनके नाम 308 टेस्ट विकेट हैं। पहली पारी में उन्होंने 11 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

दक्षिण अफ्रीका की मजबूत स्थिति

रबाडा के इस शानदार प्रदर्शन के चलते दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 107 रनों का लक्ष्य मिला। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश केवल 106 रन पर आउट हो गया, जिसमें महमूदुल हसन ने 30 रन बनाकर शीर्ष स्कोर किया। इस मैच में रबाडा, वियान मुल्डर, और केशव महाराज ने तीन-तीन विकेट लिए।

दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी में काइल वेरिन (114) के शानदार शतक और मुल्डर (54) के अर्धशतक की मदद से 307 रन बनाकर 202 रनों की बढ़त हासिल की। अब बांग्लादेश को जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, जबकि दक्षिण अफ्रीका अपने इस शानदार प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए टेस्ट मैच को जीतने की कोशिश करेगा। इस मैच में रबाडा का प्रदर्शन न केवल उनके व्यक्तिगत करियर के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजी विभाग की मजबूती को भी दर्शाता है। अब सभी की नजरें इस बात पर होंगी कि क्या दक्षिण अफ्रीका इस मैच को जीतकर सीरीज में बढ़त बना पाएगा।

ऑस्ट्रेलिया ने सुल्तान ऑफ जोहोर कप में भारत को 4-0 से हराया

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को सुल्तान ऑफ जोहोर कप के एक महत्वपूर्ण मुकाबले में भारत को 4-0 से मात देकर भारतीय टीम के विजय रथ को रोक दिया। इस मैच ने भारतीय खिलाड़ियों के लिए कई महत्वपूर्ण सबक दिए, खासकर उनके आक्रामक और रणनीतिक खेल में। मैच में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पैट्रिक एंड्रयू ने 29वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद, डेकिन स्टैंगर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 33वें, 39वें और 53वें मिनट में गोल करके हैट्रिक बनाई, जिससे ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 4-0 तक पहुंच गई। उनका आक्रामक खेल भारतीय रक्षा को तोड़ने में सफल रहा।

हालांकि, भारतीय फॉरवर्ड लाइन ने ऑस्ट्रेलियाई रक्षापंक्ति को तोड़ने के लिए संघर्ष किया। पहले क्वार्टर में भारतीय रक्षा ने अपने शानदार खेल का मुजाहिरा किया और ऑस्ट्रेलिया के कई हमलों को विफल किया। लेकिन, जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, भारत की टीम गोल करने में विफल रही, जिससे उन्हें अंततः हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बावजूद, भारत नौ अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत के साथ महत्वपूर्ण अंक अर्जित किए, फिर भी वे न्यूजीलैंड के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

आगे की चुनौतियां

भारत को अब अपनी अगली रणनीति पर ध्यान केंद्रित करना होगा, ताकि वे अपनी फॉरवर्ड लाइन के प्रदर्शन को बेहतर बना सकें और आगामी मैचों में सफल हो सकें। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह हार उनके लिए एक चुनौती है, लेकिन टीम में सुधार की काफी संभावनाएं हैं। इस प्रकार, सुल्तान ऑफ जोहोर कप का यह मुकाबला न केवल ऑस्ट्रेलिया की शक्ति को दर्शाता है, बल्कि भारत के लिए आत्म-विश्लेषण और सुधार के अवसर भी प्रदान करता है।

सिकंदर रजा ने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने अपने शानदार प्रदर्शन से न केवल गाम्बिया के खिलाफ एक नया रिकॉर्ड बनाया, बल्कि भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली का भी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार के मामले में रिकॉर्ड तोड़ दिया। सिकंदर रजा ने अपनी धुआंधार पारी के दम पर इस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता। यह उनका टी20इंटरनेशनल में 17वां प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड था, जिससे वह इस पुरस्कार को जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इससे पहले, विराट कोहली के नाम 16 बार यह पुरस्कार जीतने का रिकॉर्ड था।

इस मैच में जिम्बाब्वे ने 20 ओवरों में 344/4 का स्कोर बनाकर टी20आई क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। इसके अलावा, टी मारुमनी ने 19 गेंदों पर 62 रन और ब्रायन बेनेट ने 26 गेंदों पर 50 रन बनाकर जिम्बाब्वे की पारी को मजबूत आधार दिया। वेस्ले मधेवेरे ने भी 47 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि क्लाइव मदांडे ने रजा के साथ मिलकर जिम्बाब्वे की पारी को अंतिम रूप दिया। सिकंदर रजा की इस अद्वितीय उपलब्धि ने उन्हें विश्व क्रिकेट में और भी महत्वपूर्ण बना दिया है, और जिम्बाब्वे क्रिकेट के लिए यह एक ऐतिहासिक पल है।

इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024: सेमीफाइनल में पहुंचीं चार टीमें

पहले सेमीफाइनल श्रीलंका और पाकिस्तान, दूसरे भारत और अफगानिस्तान खेला जाएगा

अल अमेरात (ईएमएस)। इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 का नॉकआउट दौर शुरू हो चुका है, जिसमें सेमीफाइनल के लिए चार टीमों का चयन हो गया है। इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमों ने भाग लिया, जिसमें बांग्लादेश ए और हांगकांग ग्रुप ए से सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं। इसी तरह, भारत के ग्रुप बी से यूएई और ओमान की टीमें भी अंतिम चार का टिकट कटाने में चूक गईं।

इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 के दोनों सेमीफाइनल 25 अक्टूबर को खेले जाएंगे। पहले सेमीफाइनल में श्रीलंका और पाकिस्तान की टीमें टकराएंगी। श्रीलंका ने ग्रुप ए से जबकि पाकिस्तान ने ग्रुप बी से अंतिम चार में जगह बनाई है। यह मुकाबला अल अमेरात में भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे शुरू होगा। उसी दिन, दूसरे सेमीफाइनल में भारत और अफगानिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी, जो शाम 7 बजे से खेला जाएगा।

श्रीलंका ने टूर्नामेंट में अपने तीन मैचों में से दो जीतकर 4 अंक हासिल किए और ग्रुप ए में टॉप पर रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंचा। अफगानिस्तान ने भी 2 मैच जीतकर दूसरे स्थान पर अपनी जगह बनाई, लेकिन उसका नेट रन रेट श्रीलंका से कम था। भारत ने अपने सभी तीन मैच जीतकर 6 अंक प्राप्त किए और ग्रुप बी में पहले स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में एंट्री पाई। पाकिस्तान ने भी अपने तीन में से दो मैच जीतकर अंतिम चार में स्थान सुनिश्चित किया।

भारत ने अपने आखिरी लीग मैच में ओमान को 6 विकेट से हराया। आयुष बडोनी की आक्रामक अर्धशतकीय पारी के दम पर भारत ने 28 गेंद शेष रहते ओमान को शिकस्त दी। भारतीय टीम ने ओमान को 140 रनों पर रोकने के बाद 15.2 ओवर में चार विकेट पर 146 रन बनाकर आसानी से जीत दर्ज की। वहीं, पाकिस्तान ने अपने आखिरी लीग मुकाबले में यूएई को 114 रन से पराजित किया। पाकिस्तान की बल्लेबाजी ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की।

सबसे तेज टी20 शतक सिकंदर रजा के नाम

ऐतिहासिक प्रदर्शन 33 गेंदों में लगाया शतक

नई दिल्ली (ईएमएस)। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने बुधवार, 23 अक्टूबर को गाम्बिया के खिलाफ एक शानदार पारी खेलते हुए क्रिकेट के इतिहास में नया रिकॉर्ड स्थापित किया। आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप सब रीजनल अफ्रीका क्वालिफायर ग्रुप-बी के इस मैच में उन्होंने केवल 33 गेंदों पर शतक बनाया, जो किसी टेस्ट खेलने वाले देश के खिलाड़ी द्वारा टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज शतक है।

मैच की बात करें तो सिकंदर रजा की बेहतरीन बल्लेबाजी के चलते जिम्बाब्वे ने गाम्बिया के खिलाफ 344 रन बनाए। जिम्बाब्वे ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट पर इस विशाल स्कोर को खड़ा किया, जबकि गाम्बिया की टीम 54 रन पर ही ऑलआउट हो गई। इस तरह, जिम्बाब्वे ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत हासिल की, जो 290 रनों की है। सिकंदर रजा ने अपने शतक के दौरान 43 गेंदों में 133 रन बनाए, जिसमें 15 छक्के शामिल थे। उन्होंने 18वें ओवर में अपना शतक पूरा किया, जिससे वह रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने में सफल रहे। अब वह सबसे तेज टी20 इंटरनेशनल शतक बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर आ गए हैं, जहां उन्होंने रोहित शर्मा और डेविड मिलर के रिकॉर्ड को तोड़ा है।

लगातार चौथे दिन लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार लगातार चौथे दिन गुरुवार को लाल निशान में बंद हुआ। स्टॉक मार्केट में सुस्ती के पीछे की वजह मुख्य रूप से पश्चिमी एशियाई देशों में तनाव, एफपीआई की ओर से जमकर शेयरों की बिकवाली, चीन से सस्ते इंट्रेस्ट पर लोन और अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच बढ़ती कांटे की टक्कर मानी जा रही है। 24 अक्टूबर को सेंसेक्स 16.82 अंक गिरकर 80,065.16 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 50 36.10 अंक गिरकर 24,399.40 पर बंद हुआ। हालांकि, बैंकिंग और वित्तीय सेक्टर के बड़ी गिरावट को रोकने में कामयाबी हासिल की।

गुरुवार को सबसे ज्यादा, 1.22 प्रतिशत का उछाल निफ्टी पीएसयू बैंक में दिखाई दिया। निफ्टी बैंक में 0.57 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके साथ ही साथ फाइनेंशियल सर्विसेज के सेक्टर में बढ़त देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी फार्मा में 0.44 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.37 प्रतिशत और ऑयल एंड गैस में 0.07 प्रतिशत की तेजी आई।

सबसे बड़ी गिरावट दर्ज करने वाला सेक्टर एफएमसीजी सेक्टर रहा। एफएमसीजी स्टॉक्स ने गुरुवार ओवरआल 2.83 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। इसके अलावा, रियल्टी सेक्टर 1.13 प्रतिशत, मेटल 0.23 प्रतिशत, मीडिया 0.17प्रतिशत, आईटी 0.19 प्रतिशत और ऑटो सेक्टर ने 0.52 प्रतिशत की गिरावट देखी। कंज्यूमर डयूरेबल्स के सेक्टर में भी 0.39 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

बाजार में गुरुवार को निफ्टी 50 के 50 शेयरों में से 26 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर सबसे ज्यादा 2.66 प्रतिशत की बढ़त बनाने वाला शेयर रहा। इसके अलावा, श्रीराम फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम, ग्रासिम, टाइटन, एसबीआई, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (बीईएल) के शेयर 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त बना सके। बीएसई सेंसेक्स पर भी अल्ट्राटेक 2.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ टॉप बढ़ता वाला शेयर रहा। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का शेयर गुरुवार को सबसे ज्यादा 5.81 प्रतिशत गिरा। इसके अलावा, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, हिंडाल्को, नेस्ले इंडिया और बजाज ऑटो, आईटीसी के शेयर 2 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गए। सेंसेक्स पर भी गुरुवार को का टॉप लूजर स्टॉक 5.83 प्रतिशत की गिरावट के साथ एचयूएल ही रहा। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, आईटीसी, मारुति सुजूकी, एशियन पेंट्स,टीसीएस, इंफोसिस, एलएंडटी, कोटक बैंक, एचसीएल टेंक और टेक महिंद्रा के शेयर लाल निशान में बंद हुए।

ग्लोबल मार्केट

एशियाई बाजारों में, सियोल, शंघाई और हांगकांग निचले स्तर पर बंद हुए जबकि टोक्यो बढ़त के साथ पर बंद हुआ। यूरोपीय मार्केट पॉजिटिव सेक्टर में कारोबार कर रहे थे। ओवरनाइट, अमेरिकी बाजार नकारात्मक दायरे में बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.99 प्रतिशत उछलकर 76.45 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सोना-चांदी की कीमत धनतेरस से पहले बढ़ी

- सोने का भाव 78,000 रुपए, चांदी लगभग 97,500 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। ?दिवाली और धनतेरस पहले सराफा बाजार में गुरुवार को सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। दोनों के वायदा भाव बुधवार को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए थे। हालांकि कारोबार के अंत में भाव गिरावट के साथ बंद हुए थे। खबर लिखे जाने के समय आज सोने के वायदा भाव 78,000 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 97,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 344 रुपये की तेजी के साथ 78,156 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 150 रुपये की तेजी के साथ 77,962 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 491 रुपये की तेजी के साथ 97,451 रुपये पर खुला। इस समय यह 520 रुपये की तेजी के साथ 97,480 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत हल्की गिरावट के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव में तेजी देखी जाने लगी। चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ ही खुले। कॉमेक्स पर सोना 2,729.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,729.40 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 6.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,735.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 33.87 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 33.83 डॉलर था। इस समय यह 0.18 डॉलर की तेजी के साथ 34.02 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

बांग्लादेश से भारत लौटे 100 से ज्यादा इंजीनियर

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट होने के बाद जिस तरह की अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। उसके बाद से बांग्लादेश से हिंदू बड़ी संख्या में वापस भारत आ रहे हैं। 100 से ज्यादा इंजीनियर बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गए हैं।

5 अगस्त के बाद से ही बांग्लादेश में अशांति और हिंसा अपने चरम पर है। भारतीय इंजीनियरों के बांग्लादेश से भारत वापस आने के बाद एक दर्जन से ज्यादा प्रोजेक्ट पर काम बंद हो गया है।

भारत से गए इंजीनियरों का कहना है बांग्लादेश में काम करने का अभी कोई माहौल नहीं है। बांग्लादेश सरकार ने हिंदुओं और भारत से गए विशेषज्ञों की सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं किया है। जिसके कारण बांग्लादेश के हिंदुओं में बड़ी घबराहट है।वह बांग्लादेश छोड़कर स्वदेश भारत वापस आना चाह रहे हैं।

भारत सरकार ने शेख हसीना को शरण दे रखी है।जिसके कारण बांग्लादेश में भारत के खिलाफ एक माहौल बन गया है। भारत सरकार और बांग्लादेश क़्री सरकार ने कोई भी सुरक्षा का इंतजाम नहीं किया है। जिसके कारण बांग्लादेशी हिंदुओं का पलायन वहाँ से जारी है।

शेख हसीना ने भारत के साथ 10 से ज्यादा परियोजनाओं पर हस्ताक्षर किए थे। उन पर काम शुरू हो चुका था। परियोजनाओं में काम करने के लिए भारत से बड़ी संख्या में इंजीनियर गए थे। भारत सरकार द्वारा शेख हसीना को शरण दिए जाने के कारण बांग्लादेश की वर्तमान सरकार, पुराने अनुबंधों को निरस्त करने के बारे में विचार विमर्श कर रही है।जब तक बांग्लादेश और भारत सरकार के बीच वार्ता शुरू नहीं होगी। दोनों पक्ष ज़ब तक आपसी सहमति से शेख हसीना वाला मामला नहीं सुलझाएंगे। तब तक बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रति यह नाराजी देखने को मिलती रहेगी। भारत में जिस तरह से अल्पसंख्यक मुसलमानो को प्रताड़ित किया जा रहा है।इसकी चर्चा बांग्लादेश में हर गली चौराहे पर हो रही है। ऐसी स्थिति में भारत से परियोजना मैं काम करने के लिए जो भारतीय इंजीनियर और अन्य अधिकारी बांग्लादेश गए हुए थे। वह वहां से भागकर वापस भारत आ गए हैं।

पुणे टेस्ट : सुंदर के 7 विकेट ने न्यूजीलैंड को 259 पर समेटा, भारत 16/1

पुणे (ईएमएस)। पुणे के एमसीए स्टेडियम में गुरुवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन, भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेहमान टीम को पहली पारी में 259 रन पर समेट दिया। इस मैच में ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर और रविचंद्रन अश्विन ने कमाल की गेंदबाजी की, जिससे न्यूजीलैंड की टीम एक समय मजबूत स्थिति में होने के बावजूद जल्दी ही ढेर हो गई। सुंदर ने अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया, उन्होंने 23.1 ओवर में 59 रन देकर 7 विकेट चटकाए, जो उनके टेस्ट करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले उनका सर्वोत्तम प्रदर्शन 89 रन पर 3 विकेट था। वहीं, अश्विन ने 24 ओवर में 64 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। दिलचस्प बात यह है कि यह भारतीय टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली बार है, जब टीम के दोनों ऑफ स्पिनरों ने मिलकर सभी 10 विकेट लिए। वहीं भारत की शुरुआत भी खराब रही। अपनी पारी के तीसरे ओवर में टीम इंडिया ने अपने कप्तान का विकेट खो दिया। कप्तान रोहित शर्मा तीसरे ओवर की आखरी गेंद पर बोल्ड होकर पवेलियन लौट गए। उनका विकेट टीम साउदी ने लिया।

इससे पहले न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। उनकी पारी की शुरुआत काफी मजबूत रही, 32 ओवर में पहला विकेट गिरने के बाद ओपनर डेवोन कॉनवे (76) और रचिन रवींद्र (65) ने प्रभावशाली साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने पहले सत्र में कुछ बेहतरीन शॉट्स खेले। न्यूजीलैंड की पारी के पहले तीन विकेट अश्विन के नाम रहे। इसके बाद जैसे ही सुंदर ने गेंदबाजी में धार दिखाई, पूरी स्थिति पलट गई। सुंदर ने एक के बाद एक विकेट चटकाते हुए न्यूजीलैंड की पारी को समाप्त कर दिया। टी ब्रेक के बाद, सुंदर ने अपने जादुई स्पेल में मेहमान टीम के अंतिम 5 बल्लेबाजों को आउट कर दिया। उनकी गेंदबाजी में प्रमुखता से बोल्ड आउट करने के तरीके का प्रयोग किया गया, जिससे उन्होंने 7 विकेट में से 5 बल्लेबाजों को बोल्ड किया।

इस दौरान अश्विन ने भी अपनी किफायती गेंदबाजी से न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने कॉनवे और कप्तान टॉम लैथम को जल्दी ही आउट कर दिया, जिससे न्यूजीलैंड की पारी को एक बड़ा झटका लगा। पहले सत्र में, अश्विन ने कॉनवे को एलबीडब्ल्यू आउट किया, जबकि उन्होंने विल यंग को लेग पर कैच कराकर वापसी की।

अब टीम इंडिया ने दिन के खेल समाप्त होने तक एक विकेट खोकर 11 ओवर में 16 रन बना लिए हैं। कप्तान रोहित शर्मा जल्दी ही आउट हो गए, लेकिन युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (6*) और शुभमन गिल (10*) ने नाबाद रहकर खेल को आगे बढ़ाया। भारत अभी न्यूजीलैंड के स्कोर से 243 रन पीछे है। आगामी दिनों में भारतीय बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड के चुनौतीपूर्ण गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना होगा, और उन्हें अच्छी शुरुआत की आवश्यकता है ताकि वे न्यूजीलैंड के स्कोर को पार कर सकें। यदि भारतीय बल्लेबाज शानदार प्रदर्शन करते हैं, तो भारत इस टेस्ट मैच में मजबूत स्थिति में पहुंच सकता है।

दुनिया भर में सुर्खियां बटोर रहा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति हुई मजबूत

मॉस्को (ईएमएस)। कजान में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने दुनिया भर में सुर्खियां बटोरी हैं। एक ओर जहां सम्मेलन के माध्यम से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वैश्विक नेताओं को एकत्रित कर पश्चिमी देशों को अपनी ताकत दिखाते हुए महत्वपूर्ण संदेश दिया है। वहीं भारत और चीन के शीर्ष नेताओं के बीच हुई मुलाकात ने भी कई महत्वपूर्ण संदेश दिए हैं। खासतौर से भारत की बात करें तो इस सम्मेलन ने नई दिल्ली की भूराजनीतिक स्थिति को एक बार फिर से उजागर किया है। भारत की क्षमता, चीन के साथ बातचीत करने के साथ-साथ अमेरिका और रूस दोनों के साथ मजबूत रिश्ते बनाए रखने की, उसकी अद्वितीय राजनयिक स्थिति को दर्शाती है। रूस की बढ़ती निर्भरता के बीच, यह संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण है। भारत का बढ़ता प्रभाव, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ में, उसके मध्यस्थता की भूमिका को और मजबूत करता है। ग्लोबल पॉलिटिकल रिस्क एक्सपर्ट इयान ब्रेमर ने ब्रिक्स में भारत की भूमिका की सराहना की है। उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक स्थिति पिछले कुछ वर्षों में काफी बेहतर हुई है। फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रेमर ने भारत के लिए ग्लोबल साउथ में इसकी भूमिका, चीन के साथ संबंध और जी7 देशों के साथ इसके रिश्तों पर चर्चा की। उनके अनुसार, भारत के अलावा कोई अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्था लगभग हर किसी के साथ मित्रता के करीब नहीं है। मोदी ने ब्रिक्स में अपने राष्ट्रीय हितों को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया है और संतुलन बनाने का प्रयास किया है।

आतंकवाद पर दोहरे मानकों को समाप्त करने का आह्वान

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुतिन, शी जिनपिंग और ईरानी राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। अपने भाषण में उन्होंने आतंकवाद पर दोहरे मानकों को समाप्त करने का आह्वान किया। ब्रेमर ने इस सम्मेलन के मुख्य निष्कर्ष के रूप में बताया कि भारत वैश्विक स्तर पर एक अद्वितीय भूराजनीतिक स्थिति रखता है, जो उसे दूसरे देशों के मुकाबले एक महत्वपूर्ण स्थान प्रदान करती है।

वैश्विक मंच पर भारत का बढ़ता प्रभाव

वैश्विक मंच पर भारत का बढ़ता प्रभाव केवल आर्थिक और सैन्य दबदबे तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वह रूस-यूक्रेन संघर्ष में खुद को एक शांतिदूत के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी तेजी से बढ़ रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की हाल की बैठकों ने भारत की इस भूमिका को और स्पष्ट किया है। इस साल सितंबर में डेलावेयर, अमेरिका में आयोजित छठे क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी की भागीदारी भी भारत की भू-राजनीतिक रणनीति का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

अपने ही घर में घिरे जस्टिन ट्रूडो, उन्हें पद से हटाने की तैयारी

28 अक्टूबर तक का अल्टीमेटम

ओटावा (ईएमएस)। भारत से पंगा लेने वाले कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की राजनीतिक स्थिति अब संकट में है। लिबरल पार्टी के नेताओं ने ट्रूडो से इस्तीफा देने की मांग की है। इतना ही नहीं विरोधी नेताओं ने उन्हें 28 अक्टूबर तक का अल्टीमेटम दिया है। यह घटनाक्रम तब समय पर सामने आया है जब भारत और कनाडा के रिश्तों में तनाव बढ़ चुका है। ट्रूडो ने हाल ही में भारत के पूर्व उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को एक जांच के सिलसिले में पर्सन ऑफ इंटरेस्ट करार दिया था, जिससे दोनों देशों के बीच की स्थिति और अधिक बिगड़ गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, लिबरल पार्टी के सांसदों की एक बैठक में ट्रूडो के नेतृत्व के प्रति असंतोष जाहिर किया गया। सांसदों ने उन्हें अपनी चिंताओं से अवगत कर भविष्य के लिए निर्णय लेने के लिए 28 अक्टूबर की डेडलाइन दी है। इस बैठक में 24 सांसदों ने ट्रूडो को लिबरल पार्टी के नेता के पद से हटाने के लिए दस्तखत किए हैं।

ब्रिटिश कोलंबिया के सांसद पैट्रिक वीलर ने ट्रूडो के इस्तीफे का समर्थन करते हुए एक दस्तावेज पेश किया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के उदाहरण का उल्लेख किया था। दस्तावेज में कहा गया है कि जब बाइडेन ने चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया, तब डेमोक्रेट्स को फायदा हुआ था, और ऐसा ही कुछ लिबरल पार्टी के मामले में हो सकता है।

यूएस में वित्त मंत्री ने कहा- कोई भी देश भारत को नजरअंदाज नहीं कर सकता

- भारत की प्राथमिकता अपना प्रभुत्व जमाने की नहीं, हम दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं

वॉशिंगटन (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस समय अमेरिका के दौरे पर हैं। अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ने दुनिया में भारत की अहमियत बताते हुए कहा कि दुनिया का कोई भी देश भारत को नजरअंदाज नहीं कर सकता। निर्मला सीतारमण अमेरिका में विश्व बैंक की सालाना बैठक में भाग लेने से पहले सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलेपमेंट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भी शिरकत की। इस कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी का कहना है कि भारत की प्राथमिकता अपना प्रभुत्व जमाने की नहीं है। हम दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी हमारी है। दुनिया का आज हर छठा व्यक्ति भारतीय है। ऐसे में अमेरिका दूर है या चीन पास, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि कोई भी देश भारत और भारत की अर्थव्यवस्था को नजरअंदाज नहीं कर सकता। खासकर उस स्थिति में जिसमें भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस कार्यक्रम के दौरान ये भी कहा कि भारत, आईएमएफ से पहले से अपने पड़ोसियों को उनके मुश्किल समय में आर्थिक मदद दे रहा है। सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट के कार्यक्रम में बोलते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि भारत ने कई अफ्रीकी देशों को लाइन ऑफ क्रेडिट योजना के तहत आर्थिक मदद दी है, जिससे वहां संस्थानों, सड़कों, पुलों और रेलवे स्टेशन का निर्माण हुआ है। आईएमएफ की धीमी प्रक्रिया पर निशाना साधते हुए सीतारमण ने कहा कि आईएमएफ से बहुत पहले हम अपने पड़ोसियों की मदद करते आ रहे हैं। मैं ये बात पूरी जिम्मेदारी से कह रही हूं कि मेरा आईएमएफ की अहमियत को कमतर करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन हमने बिनी किसी शर्त के पड़ोसियों को पैसे दिए हैं। मैं उन पड़ोसियों का नाम नहीं लेना चाहती और ना ही कोई नंबर देना चाहती हूं क्योंकि हमारे पड़ोसी हमें बहुत प्यारे हैं।

मुद्रास्फीति के स्थायी रूप से सही होने की स्थिति का इंतजार करना होगाः दास

- भारत मुद्रास्फीति की एक और लहर का जोखिम नहीं उठा सकता

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत मुद्रास्फीति की एक और लहर का जोखिम नहीं उठा सकता है। वर्तमान में सबसे अच्छा तरीका लचीला रहना होगा। केंद्रीय बैंक के लक्ष्य के साथ मुद्रास्फीति के स्थायी रूप से सही होने की स्थिति का इंतजार करना होगा। महीने की शुरुआत में हुई मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक का ब्योरा देते हुए दास ने कहा कि मौद्रिक नीति केवल मूल्य स्थिरता बनाए रखने से ही स्थायी विकास का समर्थन कर सकती है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने बेंचमार्क ब्याज दर को 6.5 फीसदी पर बनाए रखने का फैसला किया है, जो लगातार दसवीं बार है जब एमपीसी ने दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, समिति ने अपनी स्थिति समायोजन की वापसी से तटस्थ में बदल दी है। एमपीसी की बैठक के ब्योरे के अनुसार दास ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिरता और ताकत की तस्वीर प्रस्तुत करती है और मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन अच्छी तरह से स्थापित है। उन्होंने कहा ?कि मुद्रास्फीति में निकट अवधि में बढ़ोतरी के बावजूद, साल के अंत में और अगले साल की शुरुआत में हेडलाइन मुद्रास्फीति का दृष्टिकोण 4 प्रतिशत लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की ओर इशारा करता है।

सर्दियों में चाय की चुस्की के ??लिए ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ेंगे!

- टाटा टी कीमतों में बढ़ोतरी करने पर कर रही ?है ?विचार

मुंबई (ईएमएस)। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में सर्दी के मौसम ने दस्तक देना शुरू कर ?दिया है। इस मौसम में चाय की खपत बढ़ जाती है लेकिन अब चाय की चुस्की के लिए आपको ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। देश की प्रमुख चाय कंपनियों में से एक टाटा टी कीमतों में बढ़ोतरी करने जा रही है। टाटा टी भारत की सबसे अधिक बिकने वाली चाय ब्रांडों में से एक है और यह देश की पुरानी चाय कंपनियों में भी शामिल है। बताया जा रहा है ?कि टाटा टी अपने ब्रांड पोर्टफोलियो में अगले कुछ महीनों में कीमतों में वृद्धि करने का विचार बना रही है। कंपनी का उद्देश्य अपने लाभ मार्जिन को बढ़ाना है, जो हालिया कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण प्रभावित हुआ है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के एक अ?धिकारी के अनुसार कंपनी को कुल मात्रा में वृद्धि की उम्मीद है, हालांकि शहरी बाढ़, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुस्ती और विकास में सामान्य मंदी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जुलाई-सितंबर तिमाही में राजस्व में 11 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद, मुनाफा केवल 1 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने कहा कि इस साल चाय की कीमतों में 25 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जिसका कारण आपूर्ति में व्यवधान है। टाटा टी भारत के चाय खुदरा बाजार में लगभग 28 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रखती है और इसकी प्रतिस्पर्धा हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी कंपनियों से है। उन्होंने चाय की कीमतों में बढ़ोतरी के कारणों को विस्तार से बताते हुए कहा कि कुल चाय उत्पादन में 20 प्रतिशत की कमी आई है और निर्यात में भी वृद्धि हुई है। इसके अलावा चाय बोर्ड ने सामान्यतः दिसंबर के मध्य में चाय की पत्तियों को तोड़ने का काम बंद करने का निर्णय लिया है, जिससे आपूर्ति पर अधिक प्रभाव पड़ेगा।

30 करोड़ लोगों के ?लिए सरकार ने ईश्रम पोर्टल पर 12 योजनाओं का किया एकीकरण

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार के ईश्रम वन स्टॉप सॉल्यूशन पोर्टल, जिसका उद्देश्य असंगठित कामगारों के लिए कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी को एक ही मंच पर प्रभावी ढंग से एकीकृत करना है, ने अब विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की 12 योजनाओं को इस साइट पर एकीकृत कर दिया है। केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से भी आग्रह किया है कि वे असंगठित कामगारों के लिए अपनी योजनाओं और लाभों को ईश्रम प्लेटफॉर्म पर लाएं। केंद्रीय श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि अब ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड असंगठित क्षेत्र के 30 करोड़ श्रमिक सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का बिना किसी रुकावट के लाभ उठा पाएंगे। इसका विचार यह है कि एक क्लिक में, जो लोग असंगठित क्षेत्र से इस पोर्टल पर पंजीकरण कर रहे हैं, वे सभी सुविधाएं एक ही जगह पर प्राप्त कर सकें। श्रम और रोजगार मंत्रालय और युवा मामले और खेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, हम कुछ क्षेत्रीय भाषाओं में सेवाएं प्रदान कर रहे हैं और पोर्टल के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए और पंजीकरण करने और लाभ प्राप्त करने के तरीके पर जागरूकता कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि ईश्रम पोर्टल एक मध्यस्थ के रूप में काम करेगा और सुनिश्चित करेगा कि असंगठित कामगार योजनाओं के बारे में जागरूक हों और उन्हें आसानी से पहुंच प्राप्त हो सके।

अमेरिका के बाद इस चाइनीज कंपनी को पंसद आया भारत......करेगी उत्पादों का निर्माण

मुंबई (ईएमएस)। भारत तेजी से मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में विदेशी कंपनियों के लिए एक आकर्षक स्थल बनाता जा रहा है। अब चीन की प्रमुख कंपनी हाईसेंस भी अपने उत्पादों के निर्माण के लिए भारत में प्लांट लगाने के बारे में विचार कर रही है। हाईसेंस ने भारतीय कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर ईपैक डयूरेबल्स के साथ एसी, वाशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर जैसे घरेलू उपकरणों के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता किया है।

ईपैक की मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं में बने उत्पाद न केवल भारतीय बाजार में बिकेंगे, बल्कि इनका निर्यात भी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में किया जाएगा। ईपैक ने इस साझेदारी के तहत अगले पांच वर्षों में 8,000 करोड़ रुपये से अधिक के व्यापार की उम्मीद है। हाईसेंस, जिसकी वैल्यूएशन 29 बिलियन डॉलर है, कई देशों में अपने उत्पाद बेचती है। इस साझेदारी से भारत में हाईसेंस की उत्पादन श्रृंखला का विस्तार होगा और कंपनी को वैश्विक स्तर पर अपनी बाजार उपस्थिति को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

ईपैक डयूरेबल्स हाईसेंस एयर कंडीशनर, वाशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर और अन्य छोटे घरेलू उपकरण बनाने के लिए आंध्र प्रदेश के श्रीसिटी में एक नया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करेगी। ईपैक के प्रबंध निदेशक और सीईओ अजय डीडी सिंघानिया ने कहा, हाईसेंस ने अपनी वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत को एक प्रमुख विनिर्माण केंद्र के रूप में चुना है।

प्लांट की उत्पादन क्षमता 2028 तक एक मिलियन रूम एसी बनाने की होगी, और उत्पादन अगले साल जून से शुरू करने का लक्ष्य तय किया गया है। हाईसेंस इंडिया के प्रबंध निदेशक स्टीवन ली ने कहा, यह साझेदारी हमें भारत में अपनी उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने और यहां की बाजार मांग को पूरा करने में मदद करेगी। भारत में विदेशी कंपनियों का बढ़ता रुझान न केवल देश की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को बढ़ा रहा है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रहा है।

भारत के लिए बड़ा खतराः एबटाबाद में खुली आतंक की फैक्ट्री, मिल रही जल-थल की ट्रेनिंग

एबटाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान ने भारत के लिए एक नया संकट खड़ा कर दिया है। एबटाबाद में आतंकी सेंटर खोलकर यहां जल और थल में युद्ध करने की ट्रेनिंग दी जा रही है। खुफिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि उसी एबटाबाद में, जहां ओसामा बिन लादेन को पनाह दी गई थी और जिसे 2011 में अमेरिकी सील कमांडो ने खत्म किया था, अब नए आतंकियों का भर्ती और ट्रेनिंग केंद्र स्थापित किया गया है।

ट्रेनिंग सेंटर की खासियत यह है कि यह पाकिस्तान सेना के बेस कैंप के पास स्थित है, जिससे इसे सुरक्षित माना जाता है। यहां तक कि बाहरी व्यक्ति की एंट्री भी तभी हो सकती है जब सेना खुद उसे अनुमति दे। रिपोर्ट में इस बात की चिंता जताई गई है कि इस ट्रेनिंग से तैयार हो रहे आतंकी आने वाले समय में भारत के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकते हैं। यह खुलासा भारत के लिए सतर्कता और सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इन आतंकियों की रणनीतिक और युद्ध क्षमता भारत की सुरक्षा के लिए एक बड़ा संकट बन सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एक जनरल की निगरानी में यह आतंकी ट्रेनिंग कैंप चल रहा है। यहां आतंकियों को जमीनी लड़ाई से लेकर पानी में युद्ध करने तक का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें पाकिस्तान की सेना के उच्च अधिकारी और आईएसआई के अधिकारी खुद पहुंचकर नए आतंकियों में जोश भर रहे हैं। इसके अलावा, हिज्बुल मुजाहिदीन, जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों के प्रमुख आतंकवादी भी नियमित रूप से यहां आकर घुसपैठ और हथियारों की ट्रेनिंग दे रहे हैं।

अमेरिका की सबसे बड़ी ताकत बने डॉलर में भारत-रूस और चीन ने लगाई सेंध

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में तीनों देशों ने डॉलर को दी चुनौती, स्थानीय मुद्रा में व्यापार पर बनी सहमति

मास्को,(ईएमएस)। दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश कहा जाने वाले अमेरिका की सबसे बड़ी ताकत है उसकी अपनी मुद्रा यानी डॉलर। इसी के दम पर अमेरिका दुनिया में गरजता है और आंखे दिखाता है। इस दादागीरी से निपटने के लिए भारत,रुस और चीन ने मिलकर अमेरिकी डॉलर में सेंधमारी की है। इसकी शुरुआत ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हुई,जहां तीनों देशों ने मिलकर स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने के लिए सहमति दी है। सम्मेलन में इस बार 'पूरब बनाम पश्चिम' का मुद्दा प्रमुखता से उभरा। भारत, रूस, और चीन ने इस मंच से अमेरिका और पश्चिमी देशों को व्यापारिक चुनौती देने का स्पष्ट संकेत दिया है। ब्रिक्स देशों ने आपसी व्यापार में डॉलर के बजाय स्थानीय मुद्राओं का उपयोग करने पर सहमति जताई, जिससे इन देशों के बीच लेनदेन स्थानीय मुद्रा में होगा। यह कदम अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने और वैश्विक व्यापार में नई दिशा तय करने का संकेत है।

घोषणापत्र में यह भी कहा गया कि ब्रिक्स देशों ने 21वीं सदी में नव विकास बैंक (एनडीबी) को बहुपक्षीय विकास बैंक के रूप में उभारने का समर्थन किया है। साथ ही, इस बैंक की सदस्यता बढ़ाने और कॉरपोरेट संचालन में सुधार का भी आह्वान किया गया। ब्रिक्स देशों ने यह भी कहा कि वे डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त प्रयासों की संभावनाएं तलाशेंगे। इस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सहित ब्रिक्स देशों के शीर्ष नेता शामिल हुए। सम्मेलन के दौरान यह घोषणा की गई कि ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार को बढ़ाने और स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय निपटान के लिए एक नई व्यवस्था बनाई जाएगी। इसके साथ ही एक स्वतंत्र सीमापार निपटान और डिपॉजिटरी ढांचे की व्यावहारिकता पर अध्ययन करने की सहमति बनी। इसके अलावा, शिखर सम्मेलन में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा पांच नए ब्लू-ब्लू, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब रूहछ्द-%ह भी शामिल किया गया है, जिससे ब्रिक्स का विस्तार हुआ है। ब्रिक्स नेताओं ने वित्तीय लेनदेन में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए चर्चा जारी रखने और सीमापार भुगतान पहल को मजबूत करने पर भी जोर दिया।

अंकारा के आतंकी हमले में 10 की मौत, तुर्की ने इराक और सीरिया में ध्वस्त किए आतंकी ठिकाने

अंकारा(ईएमएस)। तुर्की की राजधानी अंकारा में बुधवार को तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के मुख्यालय पर एक बड़े आतंकी हमले में 10 लोगों की मौत हो गई। हमले को तीन आतंकवादियों ने अंजाम दिया, जिनमें एक महिला आतंकी भी शामिल थी। तुर्की के सुरक्षाबलों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत कार्रवाई की और दो आतंकियों को मौके पर ही मार गिराया। इसके बाद तुर्की की वायु सेना ने तेजी से जवाबी कार्रवाई करते हुए इराक और सीरिया में कुर्दिश आतंकवादी ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। इन हमलों में 30 से अधिक ठिकानों को नष्ट कर दिया गया, और 5 आतंकवादियों के मारे जाने की खबर है। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इन हमलों के जरिए आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया गया है। राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने इस हमले को घृणित आतंकवादी हमला करार दिया और कहा कि देश के दुश्मनों को माकूल जवाब दिया जाएगा।

तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन ने कहा कि उनकी सरकार आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि तुर्की किसी भी आतंकी समूह को उसकी हरकतों के लिए बख्शेगा नहीं और हर हमले का मुंहतोड़ जवाब देगा। अंकारा में हुआ यह हमला तब हुआ है, जब क्षेत्र में इजरायल और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। इस हमले ने तुर्की की सुरक्षा स्थिति को और गंभीर बना दिया है। सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है, और तुर्की के विभिन्न शहरों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) ने ली है। पीकेके एक उग्रवादी संगठन है, जिसकी स्थापना 1978 में अब्दुल्ला ओकलान ने तुर्की में कुर्दों के अधिकारों के लिए की थी। इस संगठन ने 1984 में सशस्त्र विद्रोह शुरू किया, जिसके बाद से तुर्की और पीकेके के बीच संघर्ष लगातार चलता रहा है। पीकेके गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाते हुए तुर्की के सैन्य और नागरिक ठिकानों पर हमले करता रहा है, और इसके चलते हजारों लोगों की जान जा चुकी है।

सच साबित हुई इजरायल के खजाने वाली थ्योरी, अस्पताल के नीचे मिला नसरल्लाह का सीक्रेट बंकर?

युरुशलम(ईएमएस)इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच के हालिया तनाव के चलते, हिजबुल्लाह के सीक्रेट बंकर में खजाने को लेकर इजरायल के दावे चर्चा का विषय बने हुए हैं। इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने हाल ही में दावा किया कि लेबनान के अल साहेल अस्पताल के नीचे एक सीक्रेट बंकर मौजूद है, जिसमें करोड़ों डॉलर का सोना और नकदी जमा है। वहीं, अल साहेल अस्पताल के डायरेक्टर फादी फखरी अलामे ने इजरायल के इन दावों को खारिज किया है। उनका कहना है कि इजरायल के दावे निराधार हैं और यह लेबनान पर हमले जारी रखने का बहाना मात्र है। अस्पताल पर हमले की चेतावनी के बाद, अस्पताल के कर्मचारियों और मरीजों को हटाया गया है।

यह खजाना हिजबुल्लाह द्वारा इजरायल के खिलाफ वित्तीय मदद के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। आईडीएफ ने इस कथित बंकर का नक्शा जारी करते हुए इसे दुनिया के सामने पेश किया है।हालांकि, इस दावे पर सवाल उठाए जा रहे हैं, और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि अमेरिका, जो इजरायल का करीबी सहयोगी है, उसने भी इन दावों पर संदेह जताया है। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि पेंटागन को अभी तक अल साहेल अस्पताल के नीचे हिजबुल्लाह के बंकर के कोई ठोस सबूत नहीं मिले हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका इस मुद्दे पर इजरायल के साथ सहयोग करता रहेगा, ताकि इस मामले पर बेहतर जानकारी मिल सके। यह मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि लेबनान में इजरायल के हवाई और जमीनी ऑपरेशन्स जारी हैं, और अगर यह दावा गलत साबित होता है, तो यह इजरायल के लिए एक परसेप्शन वॉर में कमजोर पड़ने जैसा होगा। हिजबुल्लाह के खिलाफ ये दावे कितना सच हैं, यह आने वाले समय में स्पष्ट हो सकता है, लेकिन फिलहाल इस पर अमेरिका और इजरायल के बीच असहमति बनी हुई है।

अफ्रीका और अन्य विकासशील देशों के साथ साझेदारी करने को भारत तैयार : सीतारमण

वाशिंगटन (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत अफ्रीका और अन्य विकासशील देशों के साथ साझेदारी करने को तैयार है। उन्होंने यह बयान विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वार्षिक बैठक 2024 के मौके पर आपदा रोधी अवसंरचना पर आयोजित गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए दिया। सम्मेलन में कई देशों के वित्त मंत्री और उच्च अधिकारी शामिल हुए, इसमें जाम्बिया, भूटान, मेडागास्कर, अंगोला, कांगो और ज़ांज़ीबार के वित्त मंत्री शामिल थे। सम्मेलन में भारत के साथ मिलकर बुनियादी ढांचे की मजबूती और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल उपायों पर चर्चा की गई।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज की प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ लचीलापन और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल हमारे बुनियादी ढांचे प्रणालियों को बदलने के लिए आपदा लचीला बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) की स्थापना की है।

केंद्रीय मंत्री सीतारमण ने भारत के अनुभव को साझा कर बताया कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने न केवल मजबूत बुनियादी ढांचे में निवेश किया है, बल्कि राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर आपदा प्रबंधन एजेंसियों की स्थापना करके संस्थागत क्षमता को बेहतर बनाया है। उन्होंने 2020 में आए चक्रवात अम्फान का उदाहरण देकर बताया कि भारत ने समन्वित तरीके से 24 लाख से अधिक लोगों को निकाला, इससे जानमाल का नुकसान कम हुआ।

वित्त मंत्री ने वैश्विक दक्षिण के प्रति भारत की सहायता और प्रतिबद्धता को भी स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि जी-20 अध्यक्षता के तहत, आपदा और जलवायु-लचीले बुनियादी ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ाने के लिए एक कार्य समूह बनाया गया है, जो आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए मजबूत राष्ट्रीय वित्तीय ढांचे को प्राथमिकता देगा।

बांग्लादेश की राजनीति में आया बड़ा सियासी तूफान, हसीना के इस्तीफे का रहस्य बना मुसीबत

ढाका(ईएमएस)। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने बयान दिया कि उन्हें हसीना का कोई इस्तीफा नहीं मिला है, जिससे छात्र और प्रदर्शनकारी नाराज हो गए हैं। छात्रों के व्यापक प्रदर्शनों के कारण ही शेख हसीना को देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। अवामी लीग, जो 2009 से सत्ता में है, अब संकट में है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे को लेकर अनिश्चितता ने देश में एक नया तूफान खड़ा कर दिया है। प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए हैं, राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को हटाने की मांग कर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या शेख हसीना ने वास्तव में इस्तीफा दिया है या नहीं।

राष्ट्रपति का कहना है कि उन्हें कोई इस्तीफा प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, मैंने कई बार इस्तीफा पत्र लेने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। शायद उनके पास समय नहीं था। हसीना का इस्तीफा महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली कार्यवाहक सरकार को वैधता प्रदान करेगा। बिना इसके, यह सरकार नाजायज मानी जाएगी, जिसने बांग्लादेश में सत्ता शून्यता के बीच सत्ता हथिया ली। जबकि कहा जाता है कि उन्होंने विदाई भाषण रिकॉर्ड करने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें ऐसा करने का समय भी नहीं मिला। सेना ने उन्हें अपना सामान बांधने के लिए केवल 45 मिनट का समय दिया। वह अपनी छोटी बहन रेहाना के साथ तेजगांव एयर बेस के हेलीपैड पर पहुंचीं, जहां उनका सामान विमान में लादा गया। हालांकि, बताया गया कि वह राष्ट्रपति भवन बंगभोबन गईं, जहां उन्होंने औपचारिक रूप से इस्तीफा सौंपा।

तस्लीमा बोलीं नहीं दिया इस्तीफा

निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन ने भी इस स्थिति पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, हसीना ने अपने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया। वह अब भी जीवित हैं। इसलिए यूनुस सरकार अवैध है। नसरीन ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हर कोई झूठ बोल रहा है। सेना प्रमुख, राष्ट्रपति और यूनुस ने सभी कहा कि हसीना ने इस्तीफा दे दिया है, लेकिन किसी ने भी इस्तीफे को नहीं देखा।बांग्लादेश में प्रधानमंत्री का इस्तीफा संवैधानिक और राजनीतिक स्थिरता के लिए आवश्यक है। संविधान के अनुसार, निर्वाचित प्रधानमंत्री को अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को लिखित रूप में प्रस्तुत करना चाहिए। यह औपचारिक प्रक्रिया इस्तीफे की कानूनी स्वीकृति और पद की रिक्ति के लिए आवश्यक है। इस प्रकार, हसीना के इस्तीफे का रहस्य और उसके प्रभावों ने बांग्लादेश की राजनीति में अनिश्चितता और अस्थिरता का माहौल बना दिया है।

अक्टूबर-2024 में ग्राम, तहसील और जिला स्वागत में प्रस्तुत कुल 55 फीसदी समस्याओं का हुआ निपटारा

मुख्यमंत्री ने जनशिकायत निवारण के ऑनलाइन उपक्रम राज्य 'स्वागत' में नागरिकों की समस्याएं सुनी

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के जिला कलेक्टरों और जिला विकास अधिकारियों (डीडीओ) से कहा कि आम जनों की अधिकतर शिकायतों और समस्याओं का निराकरण तहसील और जिला स्तर पर ही आ जाता है, इसलिए उन्हें राज्य स्तरीय 'स्वागत' (स्टेट वाइड अटेंशन ऑन ग्रिवेंसेस बाई एप्लीकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी) कार्यक्रम तक नहीं आना पड़ता। अब यह सुनिश्चित करना भी हमारा कर्तव्य है कि यह व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ बनें, ताकि नागरिकों को अपनी समस्याएं लेकर गांधीनगर न आना पड़े। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि यदि स्थानीय प्रशासन ही भूमि संबंधित किसान सत्यापन प्रमाण पत्र हासिल करने और सार्वजनिक सड़कों पर हुए अतिक्रमण को हटाने जैसी समस्याओं का निराकरण जिला 'स्वागत' में कर दे, तो आम जनता एवं ग्रामीण किसानों को गांधीनगर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय 'स्वागत' में आने की आवश्यकता ही नहीं होगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को गांधीनगर में जनशिकायत निवारण के ऑनलाइन कार्यक्रम राज्य स्तरीय 'स्वागत' में पहुंचे आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित एवं उचित निवारण के लिए कलेक्टरों और जिला विकास अधिकारियों सहित संबंधित विभागों को निर्देश दिए। आज हुए इस राज्य स्तरीय 'स्वागत' में मुख्यमंत्री के समक्ष शहरी विकास, राजस्व, सड़क एवं भवन, नर्मदा प्रभावितों के भूमि अधिग्रहण का मुआवजा और अवैध निर्माण हटाने जैसे विषयों से संबंधित मुद्दे रखे गए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जिला प्रशासन से अवैध निर्माण और भूमि पैमाइश में त्रुटि जैसे मामलों में सख्ती से कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। प्रतिमाह चौथे गुरुवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में नियमित रूप से आयोजित होने वाले ऑनलाइन जनशिकायत निवारण के राज्य स्तरीय कार्यक्रम 'स्वागत' की आज की कड़ी में 12 समस्याएं प्रस्तुत की गईं। अक्टूबर महीने के दौरान राज्य, जिला, तहसील और ग्राम स्वागत में प्रस्तुत की गईं कुल 2732 समस्याओं में से 54.76 फीसदी का सुखद निवारण किया गया है। इस राज्य 'स्वागत' में गांधीनगर से मुख्यमंत्री के दोनों अपर मुख्य सचिव पंकज जोशी और एम.के. दास, मुख्यमंत्री की सचिव श्रीमती अवंतिका सिंह और मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। वहीं, जिलों के कलेक्टर, डीडीओ और जिला प्रशासन के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सहभागी हुए।

सरकारी कार्यक्रमों में वाहनों से ले जाए जाने वाले छात्रों के लिए कोई दिशानिर्देश क्यों नहीं?

गुजरात में स्कूली छात्र दिशानिर्देशः राज्य सरकार ने स्कूल यात्रा के संबंध में दिशानिर्देश जारी किए हैं, कुछ नियम निर्धारित किए हैं। छात्रों को न केवल क्षेत्र भ्रमण के लिए स्कूल से बाहर ले जाया जाता है। कभी-कभी सरकारी कार्यक्रमों में संख्या दिखाने या कार्यक्रमों में रिक्त सीटों को भरने के लिए स्कूली छात्रों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। उस समय सरकार ने ऐसी स्थिति के लिए कोई नियम नहीं बनाये थे. ऐसे समय में सभी नीति नियम उन स्कूलों, भाजपा प्रतिनिधियों, सरपंचों, पार्षदों, वार्ड अध्यक्षों द्वारा निर्धारित किए गए हैं जो भीड़ इकट्ठा करने के लिए सॉफ्ट टारगेट हैं - चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र।

वैकल्पिक छात्रों की भीड़!

यहां तक कि जब कोई रोड शो या किसी बड़े नेता की सभा होती है तो स्कूली बच्चों को वैन या बसों में भरकर कार्यक्रम स्थल तक ले जाया जाता है. ऐसा ज्यादातर शहरों में देखने को मिलता है. लेकिन पहले भी ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब गांवों में छात्रों को आईसर, टेम्पो या ट्रैक्टर में ले जाया गया है. और ऐसे वाहनों से दुर्घटना के मामले भी सामने आए हैं।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि अगर सरकार को वाकई छात्रों की परवाह है तो उसे सरकारी या राजनीतिक कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

स्कूल यात्राओं के लिए नियम, सरकारी कार्यक्रमों के लिए नहीं?

महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसे सरकारी या राजनीतिक आयोजनों में बच्चों को ले जाते समय नीति नियमों का उल्लंघन कर बच्चों को वाहनों में लाद दिया जाता है। उस समय माता-पिता की अनुमति नहीं ली जाती जैसा कि स्कूल यात्राओं के दौरान लिया जाता है। तो सरकार ने इसके लिए कोई गाइडलाइन क्यों नहीं जारी की या नई गाइडलाइन में इसका कोई जिक्र क्यों नहीं किया.

क्या यह नियम सरकारी कार्यक्रमों में लिये गये बच्चों पर लागू होगा?

जब स्कूलों या कॉलेजों के छात्रों को सरकारी कार्यक्रमों में ले जाया जाता है तो किसी भी नीति नियमों का पालन नहीं किया जाता है। तो सरकार अब यह सुनिश्चित करेगी कि अगर बच्चों को सरकारी आयोजनों में ले जाना है तो उनके अभिभावकों, स्थानीय पुलिस या आरटीओ को 15 दिन पहले नोटिस दिया जाए? क्या माता-पिता की लिखित सहमति प्राप्त की जाएगी? मौसम विभाग का पूर्वानुमान देखें? जो इस बात का ध्यान रखेगी कि गाड़ी में फायर सेफ्टी की सुविधा है या नहीं, गाड़ी की आरटीओ पासिंग है या नहीं, ड्राइवर का लाइसेंस वैध है या नहीं, गाड़ी की कंडीशन अच्छी है या नहीं?

क्या इन नियमों का पालन किया जाएगा?

क्या कार्यक्रम में बच्चों को ले जाने वाले वाहनों में प्राथमिक चिकित्सा किटें होंगी? क्या उन वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम होंगे? यह सुनिश्चित करने का ध्यान रखा जायेगा कि परमिट से अधिक विद्यार्थियों को न बैठाया जाये? उनके साथ 15 छात्रों पर एक शिक्षक होगा? यदि कोई छात्र गंभीर रूप से बीमार या कमज़ोर है तो क्या उसे कार्यक्रम में प्रवेश से वंचित कर दिया जाएगा? क्या यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा सावधानियां बरती जाएं? क्या वे यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें शुद्ध नाश्ता या भोजन मिले या सिर्फ भोजन के पैकेट ही दिये जायेंगे? अगर कार्यक्रम में भीड़भाड़ के कारण छात्रों को कुछ हो जाता है तो क्या सरकार इसकी जिम्मेदारी लेगी?

सरकार तभी जागती है जब कोई बड़ी आपदा आ जाती है। लेकिन इसके अलावा भी कई छोटी-बड़ी घटनाएं घटती रहती हैं. कई बच्चे मर जाते हैं या गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। अगर कुल आंकड़ा देखा जाए तो इसकी संख्या किसी एक बड़ी त्रासदी से भी बड़ी हो जाती है. फिर सरकार को ऐसे मामलों में कोई उचित निर्णय लेने की जरूरत है. सरकारी अधिकारियों द्वारा बनाये गये घिसे-पिटे नियमों को सख्ती से लागू न करना।

महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार द्वारा जारी किए गए नए दिशानिर्देशों में नियमों का उल्लंघन करने पर स्कूल या संस्थान के खिलाफ कार्रवाई का कोई जिक्र नहीं है। आज का दिन दर्शाता है

ािान
सरकार
दानां
जनता
दानां
ािंता
नहीं है
बाल्कि
दोनाल
ए सा
गाइडलाइन
जारा
दान र
संतुष्ट
होने में
रुचि है.

फर्जी कोर्ट चलाने वाले फर्जी जज की डिग्री भी फर्जी, एक विदेशी यूनिवर्सिटी ने किया बड़ा खुलासा

गुजरात में फर्जी जजः गुजरात में करोड़ों की जमीन हड़पने के लिए बनाई गई फर्जी अदालत का मामला और मौजूदा जज मॉरिस सैमुअल क्रिश्चियन का मामला फिलहाल चर्चा में है, फर्जी मध्यस्थ मॉरिस को कल अहमदाबाद मेट्रोपॉलिटन कोर्ट में पेश किया गया था. जिसमें कोर्ट ने फर्जी जज की 11 दिन की रिमांड मंजूर कर ली है. इसके बाद मॉरिस का एक और घोटाला सामने आया है.

फर्जी जज की फर्जी डिग्री का मामला आया सामने

फर्जी जज मॉरिस सैमुअल क्रिश्चियन का मामला विदेश तक पहुंच गया है. पश्चिम अफ्रीका में घाना की कॉमनवेल्थ वोकेशनल यूनिवर्सिटी ने एक फर्जी जज के फर्जी डिग्री सर्टिफिकेट को लेकर नोटिस जारी किया है। इस यूनिवर्सिटी की तस्वीरें खूब वायरल हुई. जिसके आधार पर पुलिस ने जांच के लिए यूनिवर्सिटी से संपर्क किया. इस बीच यूनिवर्सिटी की ओर से एक बड़ा खुलासा हुआ है. कॉमनवेल्थ वोकेशनल यूनिवर्सिटी ने कहा, 'अगर कोई धोखाधड़ी होती है तो यूनिवर्सिटी जिम्मेदार नहीं होगी।' आरोपी ने वकील मॉरिस सैमुअल क्रिश्चियन पर आरोप लगाया कि वह अहमदाबाद में बाकायदा कोर्ट के जज और वकील, क्लर्क, बेलीफ राखी पालदी की सरकारी जमीन का ऑर्डर देने के लिए एक फर्जी मध्यस्थता स्थापित कर रहा था।

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद डिवीजन

इलेक्ट्रिकल वर्क

ई-निविदा सूचना संख्या : Sr.DEE/ADI/48 (24-25) दिनांक 22.10.2024 निविदा संख्या : EL-50-1-ADI- T-63-2024-25 **कार्य का नाम :** अहमदाबाद मंडलः - एलएचबी/एसजी आरएम पीयू एसी कोचों में ब्रेजिंग / वेल्डिंग कार्य के साथ एसी सिस्टम उपकरण की मरम्मत / प्रतिस्थापन। **अनुमानित लागत : ₹29,20,000/- धरोहर राशि :** ₹58,400/- **निविदा प्रपत्र जमा करने की आखिरी तारीख एवं समय :** 18.11.2024 को 15:00 बजे तक **निविदा प्रपत्र खुलने की तारीख एवं समय :** 18.11.2024 को 15:30 बजे. **ऑफिस का पता :** सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर डी. आर. एम. ऑफिस, चामुंडा पुल के पास, जी.सी.एस. अस्पताल के सामने, नरोड़ा रोड, अमदुपुरा, अहमदाबाद- 382345 **वेब साइट का पता :** www.ireps.gov.in 213

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे चलायेगी अहमदाबाद मंडल से विभिन्न गंतव्यों के लिए 07 जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा दिवाली और छठ पूजा त्योहारों के मद्देनजर यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद मण्डल से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर 07 जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। अहमदाबाद मण्डल से चलने/गुजरने वाली फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः-

1. ट्रेन संख्या 09445/09446 साबरमती-लखनऊ-साबरमती स्पेशल (कुल 10 फेरे)

ट्रेन संख्या 09445 साबरमती-लखनऊ स्पेशल दिनांक 30 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2024 तक प्रत्येक बुधवार को साबरमती से 22:00 बजे प्रस्थान करेगी तथा दूसरे दिन 20:50 बजे लखनऊ पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09446 लखनऊ-साबरमती स्पेशल दिनांक 31 अक्टूबर से 28 नवंबर, 2024 तक प्रत्येक गुरुवार को लखनऊ से 23:50 बजे प्रस्थान करेगी तथा दूसरे दिन 21:30 बजे साबरमती पहुंचेगी।

2. ट्रेन संख्या 09461/09462 अहमदाबाद-दानापुर-अहमदाबाद स्पेशल (कुल 08 फेरे)

ट्रेन संख्या 09461 अहमदाबाद-दानापुर स्पेशल दिनांक 26 अक्टूबर से 16 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को अहमदाबाद से सुबह 08:25 बजे प्रस्थान करेगी तथा दूसरे दिन शाम को 16:50 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09462 दानापुर-अहमदाबाद स्पेशल दिनांक 27 अक्टूबर से 17 नवंबर, 2024 तक प्रत्येक रविवार को दानापुर से 21:55 बजे प्रस्थान करेगी तथा दूसरे दिन सुबह 07:10 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

3. ट्रेन संख्या 09403/09404 अहमदाबाद-बनारस-अहमदाबाद स्पेशल (कुल 06 फेरे)

ट्रेन संख्या 09403 अहमदाबाद-बनारस स्पेशल दिनांक 29 अक्टूबर से 12 नवंबर तक प्रत्येक मंगलवार को अहमदाबाद से 22:40 बजे प्रस्थान करेगी तथा गुरुवार को सुबह 04:05 बजे बनारस पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09404 बनारस-अहमदाबाद स्पेशल दिनांक 31 अक्टूबर से 14 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को बनारस से सुबह 07:15 बजे प्रस्थान करेगी तथा दूसरे दिन 18:00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

4. ट्रेन संख्या 09467/09468 अहमदाबाद-जयनगर-अहमदाबाद स्पेशल (कुल 02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09467 अहमदाबाद-जयनगर स्पेशल दिनांक 25 अक्टूबर, 2024 (शुक्रवार) को अहमदाबाद से शाम को 16:35 बजे प्रस्थान करेगी तथा रविवार को सुबह 07:30 बजे जयनगर पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09468 जयनगर-अहमदाबाद स्पेशल 27 अक्टूबर, 2024 (रविवार) को जयनगर से सुबह 10:30 बजे प्रस्थान करेगी तथा मंगलवार को 01:15 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

5. ट्रेन संख्या 09597/09598 राजकोट-गोरखपुर-राजकोट स्पेशल (कुल 10 फेरे)

ट्रेन संख्या 09597 राजकोट-गोरखपुर स्पेशल दिनांक 30 अक्टूबर से 27 नवंबर, 2024 तक प्रत्येक बुधवार को राजकोट से दोपहर 15:15 बजे प्रस्थान करेगी तथा दूसरे दिन शाम को 21:30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09598 गोरखपुर-राजकोट स्पेशल दिनांक 01 नवंबर से 29 नवंबर, 2024 तक प्रत्येक शुक्रवार को गोरखपुर से 01:00 बजे प्रस्थान करेगी तथा दूसरे दिन सुबह 10:00 बजे राजकोट पहुंचेगी।

6. ट्रेन संख्या 09003/09004 वापी-दिल्ली-वापी स्पेशल (कुल 02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09003 वापी-दिल्ली स्पेशल दिनांक 25 अक्टूबर, 2024 (शुक्रवार) को वापी से दोपहर 12:55 बजे प्रस्थान करेगी तथा दूसरे दिन सुबह 08:45 बजे दिल्ली पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09004 दिल्ली-वापी स्पेशल दिनांक 26 अक्टूबर, 2024 (शनिवार) को दिल्ली से 11:45 बजे प्रस्थान करेगी तथा दूसरे दिन सुबह 09:30 बजे वापी पहुंचेगी।

7. ट्रेन संख्या 09021/09022 उधना-भावनगर-उधना स्पेशल (कुल 20 फेरे)

ट्रेन संख्या 09021 उधना-भावनगर स्पेशल दिनांक 28 अक्टूबर से 30 दिसंबर, 2024 तक प्रत्येक सोमवार को उधना से 22:05 बजे प्रस्थान करेगी तथा दूसरे दिन सुबह 08:45 बजे भावनगर पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09022 भावनगर-उधना स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को शाम 19:00 बजे प्रस्थान करेगी तथा दूसरे दिन सुबह 07:10 बजे उधना पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन भरुच, वडोदरा, आणंद, नडियाद, अहमदाबाद, गांधीग्राम, सरखेज, धोलका, धंधुका, बोटाद, धोला, सोनगढ़, सीहोर और भावनगर परा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में चेयरकार, स्लीपर, नॉर्मल चेयरकार एवं सेकेंड क्लास सीटिंग कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09467 और 09003 की बुकिंग शुरू है तथा ट्रेन संख्या 09445, 09597, 09461, 09403, 09021, 09022 की बुकिंग 25 अक्टूबर, 2024 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। यात्री कृपया ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें।

वाव विधानसभा उपचुनाव में यह पार्टी नहीं उतारेगी उम्मीदवार, गुजरात की सियासत फिर गरमा गई है

: गनीबेन की रिक्त वाव विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को उपचुनाव होना है। अब बड़ी खबर सामने आ रही है कि आम आदमी पार्टी वाव सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी. अब बीजेपी और कांग्रेस के बीच होगी बड़ी टक्कर. आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष येसुदान गढ़वी ने कहा, 'हमारी पार्टी वोटों के बंटवारे से बचने के लिए उम्मीदवार की घोषणा नहीं करेगी.' बता दें कि इससे पहले आप नेता ने वाव सीट पर चुनाव लड़ने की बात कही थी. हालांकि, अभी तक किसी भी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है. अब खबर है कि बीजेपी-कांग्रेस वाव सीट पर उम्मीदवार का ऐलान नहीं करेगी. जो सीधे तौर पर उस उम्मीदवार को जनादेश देगा.

यह सीट कांग्रेस की हैः इसुदान गढ़वी

येसुदान गढ़वी ने कहा है, 'यह स्वाभाविक है कि स्थानीय नेता लड़ने के इच्छुक हैं. लेकिन आम आदमी पार्टी लोगों के हित के लिए लड़ रही है. काम की राजनीति कर रहे हैं. वाव विधानसभा सीट पर हम सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कांग्रेस नेताओं के साथ हमारी बहुत सकारात्मक बातचीत हो रही है. मुझे लगता है कि हम कल तक आधिकारिक घोषणा कर देंगे।' बीजेपी को हारना ही होगा. तभी बीजेपी काबू में आएगी और जनता का काम करेगी. हमारा मानना है कि यह सीट कांग्रेस की है.'

वीएवी सीट के लिए नामांकन फॉर्म भरने का कल आखिरी दिन है. इसके बाद आम आदमी पार्टी और कांग्रेस संयुक्त सम्मेलन कर गठबंधन की आधिकारिक घोषणा कर सकती हैं. उपचुनाव में आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन होना तय है. अब आम आदमी पार्टी के पीछे हटने से कांग्रेस और बीजेपी के बीच सीधी टक्कर होगी.

इससे पहले आम आदमी पार्टी ने उपचुनाव लड़ने का संकेत दिया था

आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष ने बनासकांठा जिले की वाव विधानसभा सीट पर अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी दिखाई है. डॉ। वाव विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी द्वारा रमेश पटेल को उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चा थी. आप के क्षेत्रीय नेता ने कहा, 'लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को हमारा पूरा समर्थन था. लेकिन लोकसभा चुनाव एक अलग मुद्दा और मुद्दा था। उस वक्त बीजेपी और नरेंद्र मोदी के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की जरूरत थी. यह देश का सवाल था, यह लोकतंत्र और संविधान को बचाने का सवाल था, इसलिए हम निश्चित रूप से कांग्रेस के साथ थे। हालाँकि, अब जब राज्य की बात आती है तो हर पार्टी की अपनी रणनीति होती है। आम आदमी पार्टी एक राष्ट्रीय पार्टी है. इस उपचुनाव में गठबंधन की कोई बात नहीं है. हम वाव विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने के लिए तैयार हैं।' हालांकि, अब आम आदमी पार्टी ने अपना रुख बदल लिया है.

कांग्रेस संकट में है

बीजेपी और कांग्रेस दोनों पार्टियों ने व्यापक तैयारियां की हैं. लेकिन अभी तक किसी भी पार्टी ने मुर्तिया के नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की है. फिलहाल कांग्रेस से गुलाब सिंह राजपूत का नाम सबसे ऊपर है. गनीबेन से गुलाब सिंह राजपूत की नजदीकियां रंग लाईं. हालाँकि, नाम की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। फिर कांग्रेस में बवाल शुरू हो गया है. उम्मीदवार की घोषणा से पहले ही ठाकरशी रबारी ने पार्टी पर कटाक्ष करना शुरू कर दिया है. हाल ही में वाव में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में ठाकरशी रबारी ने सार्वजनिक मंच से व्यंग्य करते हुए कहा था, 'केले का बेन गुलाब का बेन है. रबारी समाज को कोई भी पार्टी कमजोर न समझे और इस समाज को किसी की जरूरत न हो. भगवान मुझे और मेरे समाज को शक्ति दे.'

अपनी फिल्म के प्रीमियर से पहले अक्षय कुमार ने कहा, ठटाइगर असल जिंदगी में मेरे छोटे हैं

बॉलीवुड के पावरहाउस अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अपनी धमाकेदार एक्शन कॉमेडी, बड़े मियां छोटे मियां से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित इस फिल्म का प्रीमियर सोनी मैक्स पर होगा।

ठटाइगर मेरे छोटे भाई की तरह हैं। हम तुरंत कनेक्ट हो गए, और हमारी दोस्ती कमाल की है। हमने कई घंटे साथ बिताए। इसमें इंटेंस एक्शन सीक्वेंस करने से लेकर वॉलीबॉल और लूडो जैसे गेम खेलना शामिल था। वह पूरी तरह से पेशेवर हैं। मैंने उससे बहुत कुछ सीखा है। अगर मैं ईमानदारी से कहूं तो मैं टाइगर के साथ शूटिंग मिस करने वाला हूं। वह असल जिंदगी में मेरे छोटे हैं। सोनी मैक्स पर प्रीमियर से पहले अक्षय कुमार ने टाइगर श्रॉफ के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया।

बड़े मियाँ छोटे मियाँ क्लासिक फ़िल्म का आधुनिक रूप है, जिसमें रोमांचकारी कहानी, शानदार दृश्य और दमदार एक्शन सीक्वेंस हैं। फिल्म दो पूर्व सैनिकों की कहानी है जो दुनिया को एक बड़े खतरे से बचाने के लिए सेना में शामिल होते हैं।

बड़े मियाँ छोटे मियाँ एक्शन, कॉमेडी और ड्रामा का एक बेहतरीन मिश्रण है। यह हर उम्र के दर्शकों का मनोरंजन करने का वादा करती है। 27 अक्टूबर को रात 08:00 बजे सोनी मैक्स पर फ़िल्म का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर देखना न भूलें।

5G कवरेज और डाउनलोड स्पीड एक्पीरियंस में जियो ने मारी बाजी - ओपन सिग्नल*

☐ 5जी उपलब्धता क्ष%ह– जियो 66.7इ, एयरटेल 24.4इ

☐ ओवरऑल डाउनलोड स्पीड – जियो 89.5 ईंइए, एयरटेल 44.2 ईंइए

नई दिल्ली, 18 अक्तूबर, 2024: देश में 5जी कवरेज के मामले में रिलायंस जियो लगातार नंबर वन पोजीशन पर बना हुआ है। ओपन सिग्नल की हालिया जारी रिपोर्ट के मुताबिक '5जी-उपलब्धता' कैटेगरी में जियो को 66.7% का स्कोर हासिल हुआ है। जियो को एयरटेल के मुकाबले 42 परसेंटेज पॉइंट की बढ़त मिली है। एयरटेल का स्कोर मात्र 24.4% है। इस स्कोर को सीधे 5जी की कवरेज से जोड़ा जा सकता है। 5जी की व्यापक उपलब्धता की वजह से जहां जियो 5जी यूजर्स करीब दो-तिहाई समय 5उ से कनेक्ट रहते हैं, वहीं कम 5जी कवरेज के कारण एयरटेल यूजर्स को केवल एक-चौथाई समय ही 5जी पर बिताते हैं।

डाउनलोड स्पीड एक्सपीरियंस कैटेगरी में भी जियो का प्रदर्शन शानदार रहा। जियो यूजर्स को कुल औसत डाउनलोड स्पीड करीब 89.5Mbps मिली - जो एयरटेल के 44.2श्ंजे से लगभग दोगुनी है। 16.9श्ंजे के स्कोर के साथ वोडाफोन-आइडिया तीसरे नंबर पर है, जबकि बीएसएनएल 3.1श्ंजे के साथ काफी पीछे है। बताते चलें कि इंटरनेट सर्फिंग, बड़ी और हैवी फाइल डाउनलोड करने, वीडियो देखने और म्यूजिक सुनने के लिए डाउनलोड स्पीड ही सबसे अधिक मायने रखती है।

ओवरऑल कवरेज एक्सपीरियंस की कैटेगरी में भी रिलायंस जियो कहीं आगे दिखाई देता है। 10 अंकों के पैमाने पर 9 अंकों के साथ जियो ने कवरेज एक्सपीरियंस अवार्ड जीता है। 7.1 अंकों के साथ एयरटेल से काफी पीछे नजर आता है। वहीं 3.7 अंकों के साथ वीआई तीसरे स्थान पर है। 1.2 अंकों के साथ बीएसएनएल अंतिम स्थान पर है। स्टेबल कनेक्शन या कहें कंसिसटेंसी के मामले में भी जियो अपनी प्रतिद्वंदी एयरटेल से आगे है। एयरटेल के 63.3 फीसदी के मुकाबले जियो का स्कोर 66.5 रहा है।

अशोक लीलैंड की सहायक कंपनी को एमटीसी, चेन्नई से मिला 500 इलेक्ट्रिक बसों का ऑर्डर

24 अक्टूबर 2024, चेन्नईः हिंदुजा समूह की प्रमुख भारतीय कंपनी और देश की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता, अशोक लीलैंड ने आज घोषणा की कि उसकी सहायक कंपनी ओएचएम ग्लोबल मोबिलिटी को मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एमटीसी), चेन्नई से 500 12-मीटर अल्ट्रा-लो फ्लोर इलेक्ट्रिक बसों का ऑर्डर मिला है। ओएचएम, अशोक लीलैंड की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी शाखा है, जो मोबिलिटी-एज-ए-सर्विस व्यवसाय पर केंद्रित है। यह ऑर्डर बस सेगमेंट में अशोक लीलैंड की प्रमुख स्थिति को और मजबूत करेगा और भारत में वहनीय शहरी मोबिलिटी को आगे बढ़ाने के लिए इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

अशोक लीलैंड की एक अन्य सहायक कंपनी स्विच मोबिलिटी, ओएचएम को अत्याधुनिक, स्विच ईआईवी12 मॉडल की बसें प्रदान करेगी, जो बदले में एमटीसी के अनुबंध के अनुसार 12 साल तक इन बसों का संचालन और रख-रखाव करेगी।

अशोक लेलैंड के एमडी और सीईओ, श्री शेनू अग्रवाल ने कहा, ठहम मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एमटीसी) के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को जारी रखने और पर्यावरण के अनुकूल सार्वजनिक परिवहन की दिशा में उसकी पहल में भागीदार बनने के लिए उत्साहित हैं। यह नया ऑर्डर देश में सार्वजनिक परिवहन के विकास को बढ़ावा देने वाले दक्ष और टेक्नोलॉजी के लिहाज़ से उन्नत उत्पादों का उत्पादन करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हमारी स्विच ईआईवी12 बसें अत्याधुनिक तकनीक, विश्वसनीयता और आराम का संयोजन करती हैं, जो उन्हें आधुनिक शहरों के लिए आदर्श समाधान बनाती हैं। हम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और एमटीसी के साथ यह साझेदारी स्वच्छ, अधिक कुशल परिवहन प्रणाली बनाने की दिशा में एक कदम आगे है। स्विच के 950 से अधिक वाहन परिचालन में हैं और इस ऑर्डर के साथ उसके पास अब 2000 से अधिक वाहनों का शानदार ऑर्डर बुक है।'

एसीसी ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में हासिल किया स्थिर प्रदर्शन

अहमदाबाद, 24 अक्टूबर 2024: सबसे भरोसेमंद विरासत सीमेंट ब्रांड, भारत की सबसे बड़ी सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी और विविधतापूर्ण अदाणी समूह का हिस्सा एसीसी लिमिटेड ने आज वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही (एच1) के लिए टिकाऊ वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा की, जो वॉल्यूम ग्रोथ, लागत अनुकूलन और बेहतर दक्षता मापदंडों के बल पर संभव हुआ।

एसीसी लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ श्री अजय कपूर ने कहा, ठदूसरी तिमाही में हमारा प्रदर्शन सीमेंट उद्योग में अग्रणी के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करता है। इस तिमाही के हमारे वित्तीय परिणाम - अधिक मात्रा, लागत अनुकूलन, बढ़ती दक्षता और फूर्ति से प्रेरित - वित्त वर्ष 25 और उसके बाद के लिए हमारी विकास रणनीति के लिए गति का निर्माण करते हैं। हमारी वृद्धि सभी बाजारों में उच्च गुणवत्ता वाले सीमेंट उत्पादों की मजबूत मांग के साथ-साथ संचालन को अनुकूलित करने और सभी ईएसजी मापदंडों पर अग्रणी रहने के हमारे निरंतर प्रयासों से प्रेरित हो रही है। नवाचार, स्थिरता और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण द्वारा समर्थित परिचालन उत्कृष्टता के लिए हमारे अभियान में हमारी अग्रणी स्थिति उजागर होती है। हम अपने हितधारकों के लिए मजबूत मूल्य प्रदान करना जारी रखते हैं क्योंकि हमारा लक्ष्य अपने प्रतिस्पर्धी लाभ के माध्यम से निरंतर लाभप्रदता हैठ

पश्चिम रेलवे विभिन्न स्थानों के लिए दिवाली और छठ त्योहार विशेष ट्रेनें चलाएगी

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09115	वडोदरा - गया	29.10.2024	00.45 बजे (मंगलवार)	07:00 बजे. (अगले दिन)
09116	गया - वडोदरा	30.10.2024	10:00 बजे. (बुधवार)	14:00 बजे. (अगले दिन)
पड़ावः वलसाड, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, अजमेर, जयपुर, दौसा, अलवर, रेवारी या गुड़गांव स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः एसी 2-टियर और एसी 3-टियर कोच।				
09445	साबरमती - लखनऊ	30.10.2024 से 27.11.2024 तक	22:00 बजे (बुधवार)	20:50 बजे. (अगले दिन)
09446	लखनऊ-साबरमती	31.10.2024 से 28.11.2024 तक	23:50 बजे. (गुरुवार)	21:30 बजे. (अगले दिन)
पड़ावः महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, दौसा, बैकुई, भरतपुर, आगरा किला, तुला और दोनों दिशाओं में कानपुर सेंट्रल स्टेशन।				
संरचनाः एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09467	अहमदाबाद-जयनगर	25.10.2024	16:35 बजे (शुक्रवार)	07:30 बजे (रविवार)
09468	जयनगर-अहमदाबाद	27.10.2024	10:30 बजे. (रविवार)	01:15 बजे (मंगलवार)
पड़ावः नडियाद, छायापुरी, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पं. दोनों दिशाओं में दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशन।				
संरचनाः प्रथम एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच.				
09021	उधना - भावनगर	28.10.2024 से 30.12.2024 तक	22:05 बजे (सोमवार)	08:45 बजे (अगले दिन)
09022	भावनगर-उधना	29.10.2024 से 31.12.2024 तक	19:00 बजे (मंगलवार)	07:10 बजे (अगले दिन)
पड़ावः भरूच, वडोदरा, आनंद, नडियाद, अहमदाबाद , गांधीग्राम, सरखेज, ढोलका, धंधुका, बोटाद, ढोला, सोनगढ़, सीहोर और भावनगर पारा स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः एसी चेयर कार, स्लीपर क्लास, द्वितीय श्रेणी सिटिंग और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09003	वापी-दिल्ली (सुपरफास्ट)	25.10.2024	12:55 बजे (शुक्रवार)	08:45 बजे (अगले दिन)
09004	दिल्ली-वापी (सुपरफास्ट)	26.10.2024	11:45 बजे. (शनिवार)	09:30 बजे (अगले दिन)
पड़ावः दोनों दिशाओं में वलसाड, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, अजमेर, जयपुर, दौसा, अलवर, रेवारी और गुड़गांव स्टेशन।				
संरचनाः एसी 2-टियर और एसी 3-टियर कोच।				
09461	अहमदाबाद-दानापुर	26.10.2024 से 16.11.2024 तक	08:25 बजे (शनिवार)	16:50 बजे (अगले दिन)
09462	दानापुर - अहमदाबाद	27.10.2024 से 17.11.2024 तक	21:55 बजे (रविवार)	07:10 बजे (मंगलवार)
पड़ाव : आनंद, छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, शाजापुर, बियावरा राजगढ़, रुठियाई, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, सोनी, इटावा, गोविआपुरी, फ़तेहपुर, प्रयागराज। मीरजापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बुऑार आ आरा स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः प्रथम एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09403	अहमदाबाद-बनारस	29.10.2024 से 12.11.2024 तक	22:40 बजे (मंगलवार)	04:05 बजे (गुरुवार)
09404	बनारस - अहमदाबाद	31.10.2024 से 14.11.2024 तक	07:15 बजे (गुरुवार)	18:00 बजे (अगले दिन)
पड़ावः आनंद, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, भवानी माई, रामगंज माई, कोटा। सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा किला, तुआला, गोविआपुरी, फतेहपुर, प्रयागराज और ज्ञानपुर रोड स्टेशन पर दोनों दिशाओं मेंः				
संरचनाः प्रथम एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
09011	उधना - गया	25.10.2024	22:00 बजे (शुक्रवार)	07:00 बजे (रविवार)
09012	गया - वड़ोदरा	27.10.2024	10:00 बजे. (रविवार)	14:00 बजे (अगले दिन)
पड़ावः गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मास्की, संत हिरदाराम नगर बीना, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, चुनार, पं. दीन दयाल उपाध्याय, सासाराम और डेहरी-ऑन-सोन स्टेशन दोनों दिशाओं में। ट्रेन संख्या 09011 का सायन, भरूच, और वडोदरा स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा।				
संरचनाः एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				

समय, पड़ाव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं

ट्रेन संख्या 09011, 09003, 09467 के लिए बुकिंग खुली है और ट्रेन संख्या 09115, 09445, 09461, 09403, 09021 और 09022 के लिए बुकिंग 25.10.2024 से शुरू होगी। सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर उपलब्ध। उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर विशेष ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें facebook.com/WesternRly
हमें फ़ॉलो करें twitter.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95